قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

eParah

لَا يُحِبُّ اللّٰهُ

पारा - 6

لَا يُحِبُّ	اللّٰهُ	الْجَهْرَ	بِالسُّوْٓءِ	مِنَ الْقَوْلِ	اِلَّا	مَنْ	ظُلِمَ ؕ
नहीं पसंद करता	अल्लाह	आवाज़ बुलंद करना	साथ बुरी	बात के	मगर	जिस पर	ज़ुल्म किया गया हो

وَ كَانَ	اللّٰهُ	سَمِيْعًا	عَلِيْمًا ﴿148﴾	اِنْ	تُبْدُوْا	خَيْرًا	اَوْ	تُخْفُوْهُ
और है	अल्लाह	ख़ूब सुनने वाला	ख़ूब जानने वाला	अगर	तुम ज़ाहिर करो	कोई नेकी	या	तुम छुपाओ उसे

اَوْ	تَعْفُوْا	عَنْ سُوْٓءٍ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	كَانَ	عَفُوًّا	قَدِيْرًا ﴿149﴾
या	तुम दरगुज़र करो	किसी बुराई से	तो बेशक	अल्लाह	है	बहुत माफ़ करने वाला	बहुत क़ुदरत रखने वाला

اِنَّ	الَّذِيْنَ	يَكْفُرُوْنَ	بِاللّٰهِ	وَ رُسُلِهٖ	وَ يُرِيْدُوْنَ	اَنْ	يُّفَرِّقُوْا
बेशक	वो जो	कुफ़्र करते हैं	साथ अल्लाह के	और उसके रसूलों के	और वो चाहते हैं	कि	वो तफ़रीक़ करें

بَيْنَ	اللّٰهِ	وَ رُسُلِهٖ	وَ يَقُوْلُوْنَ	نُؤْمِنُ	بِبَعْضٍ	وَّ نَكْفُرُ
दर्मियान	अल्लाह के	और उसके रसूलों के	और वो कहते हैं	हम ईमान लाते हैं	बाज़ पर	और हम कुफ़्र करते हैं

بِبَعْضٍ ۙ	وَّ يُرِيْدُوْنَ	اَنْ	يَّتَّخِذُوْا	بَيْنَ	ذٰلِكَ	سَبِيْلًا ﴿150﴾ ۙ	اُولٰٓئِكَ
बाज़ का	और वो चाहते हैं	कि	वो बना लें	दर्मियान	इसके	कोई रास्ता	यही लोग हैं

هُمُ	الْكٰفِرُوْنَ	حَقًّا ۚ	وَ اَعْتَدْنَا	لِلْكٰفِرِيْنَ	عَذَابًا	مُّهِيْنًا ﴿151﴾	
वो	जो काफ़िर हैं	हक़ीक़ी	और तैयार कर रखा है हमने	काफ़िरों के लिए	अज़ाब	रुस्वा करने वाला	

وَ الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	بِاللّٰهِ	وَ رُسُلِهٖ	وَ لَمْ	يُفَرِّقُوْا	بَيْنَ	اَحَدٍ
और वो जो	ईमान लाए	अल्लाह पर	और उसके रसूलों पर	और नहीं	उन्होंने तफ़रीक़ की	दर्मियान	किसी एक के

مِّنْهُمْ	اُولٰٓئِكَ	سَوْفَ	يُؤْتِيْهِمْ	اُجُوْرَهُمْ ؕ	وَ كَانَ	اللّٰهُ
उनमें से	यही लोग हैं	अनक़रीब	वो देगा उन्हें	अजर उनके	और है	अल्लाह

ع 21 11 1

غَفُوْرًا	رَّحِيْمًا ﴿152﴾ ع	يَسْـَٔلُكَ	اَهْلُ الْكِتٰبِ	اَنْ	تُنَزِّلَ	عَلَيْهِمْ
बहुत बख़्शने वाला	निहायत रहम करने वाला	सवाल करते हैं आपसे	अहले किताब	कि	आप उतार लाएं	उन पर

كِتٰبًا	مِّنَ السَّمَآءِ	فَقَدْ	سَاَلُوْا	مُوْسٰٓى	اَكْبَرَ	مِنْ ذٰلِكَ
एक किताब	आसमान से	पस तहक़ीक़	उन्होंने सवाल किया था	मूसा से	ज़्यादा बड़ा	इससे

فَقَالُوْٓا	اَرِنَا	اللّٰهَ	جَهْرَةً	فَاَخَذَتْهُمُ	الصّٰعِقَةُ	بِظُلْمِهِمْ ۚ	ثُمَّ
पस उन्होंने कहा था	दिखा हमें	अल्लाह	सामने	तो पकड़ लिया उन्हें	बिजली की कड़क ने	बवजह उनके ज़ुल्म के	फिर

اتَّخَذُوا	الْعِجْلَ	مِنْ بَعْدِ	مَا	جَآءَتْهُمُ	الْبَيِّنٰتُ	فَعَفَوْنَا
उन्होंने बना लिया	बछड़े को (माबूद)	बाद उसके	जो	आ गईं उनके पास	वाज़ेह निशानियां	पस दरगुज़र किया हमने

عَنْ ذٰلِكَ ۚ	وَاٰتَيْنَا	مُوْسٰى	سُلْطٰنًا	مُّبِيْنًا (153)	وَرَفَعْنَا	فَوْقَهُمُ
उससे	और दिया हमने	मूसा को	ग़लबा	वाज़ेह	और उठाया हमने	उन पर

الطُّوْرَ	بِمِيْثَاقِهِمْ	وَقُلْنَا	لَهُمُ	ادْخُلُوا	الْبَابَ	سُجَّدًا
तूर को	उनसे पुख़्ता अहद लेने के लिए	और कहा हमने	उन्हें	दाख़िल हो जाओ	दरवाज़े में	सज्दा करते हुए

وَّقُلْنَا	لَهُمْ	لَا تَعْدُوْا	فِي السَّبْتِ	وَاَخَذْنَا	مِنْهُمْ	مِّيْثَاقًا
और कहा हमने	उन्हें	ना तुम ज़्यादती करो	सब्त में	और लिया हमने	उनसे	अहद

غَلِيْظًا (154)	فَبِمَا	نَقْضِهِمْ	مِّيْثَاقَهُمْ	وَكُفْرِهِمْ	بِاٰيٰتِ	اللّٰهِ
पक्का	पस बवजह	उनके तोड़ने के	अपने अहद को	और उनके कुफ़्र के	साथ आयात के	अल्लाह की

وَقَتْلِهِمُ	الْاَنْۢبِيَآءَ	بِغَيْرِ	حَقٍّ	وَّقَوْلِهِمْ	قُلُوْبُنَا	غُلْفٌ ؕ	بَلْ
और उनके क़त्ल करने के	अम्बिया को	बग़ैर	हक़ के	और उनके कहने के	दिल हमारे	ग़िलाफ़ हैं	बल्कि

طَبَعَ	اللّٰهُ	عَلَيْهَا	بِكُفْرِهِمْ	فَلَا	يُؤْمِنُوْنَ	اِلَّا	قَلِيْلًا ۠ (155)
मोहर लगा दी	अल्लाह ने	उन पर	बवजह उनके कुफ़्र के	पस नहीं	वो ईमान लाते	मगर	बहुत थोड़ा

وَّبِكُفْرِهِمْ	وَقَوْلِهِمْ	عَلٰى	مَرْيَمَ	بُهْتَانًا	عَظِيْمًا ۙ (156)
और बवजह उनके कुफ़्र के	और उनके कहने(बांधने) के	ऊपर	मरियम के	बोहतान	बहुत बड़ा

اللّٰهِ ج	رَسُوْلَ	عِيْسَى ابْنَ مَرْيَمَ	الْمَسِيْحَ	قَتَلْنَا	اِنَّا	وَّقَوْلِهِمْ
अल्लाह का	जो रसूल था	ईसा इबने मरियम को	मसीह	क़त्ल किया हमने	बेशक हम	और उनके कहने के

لَهُمْ ط	شُبِّهَ	وَلٰكِنْ	صَلَبُوْهُ	وَمَا	قَتَلُوْهُ	وَمَا
उनके लिए	मुश्तबा कर दिया गया	और लेकिन	उन्होंने सलीब/सूली चढ़ाया उसे	और नहीं	उन्होंने क़त्ल किया उसे	हालांकि नहीं

لَهُمْ	مَا	مِّنْهُ ط	لَفِيْ شَكٍّ	فِيْهِ	اخْتَلَفُوْا	الَّذِيْنَ	وَاِنَّ
उनके लिए	नहीं	इससे	अलबत्ता शक में हैं	इसमें	इख़्तिलाफ़ किया	वो जिन्होंने	और बेशक

يَقِيْنًا (157) لا	قَتَلُوْهُ	وَمَا	الظَّنِّ ج	اتِّبَاعَ	اِلَّا	مِنْ عِلْمٍ	بِهٖ
यक़ीनी तौर पर	उन्होंने क़त्ल किया उसे	और नहीं	गुमान की	पैरवी करना	मगर	कोई इल्म	इसका

وَاِنْ	حَكِيْمًا (158)	عَزِيْزًا	اللّٰهُ	وَكَانَ	اِلَيْهِ ط	اللّٰهُ	رَّفَعَهُ	بَلْ
और नहीं	ख़ूब हिक्मत वाला	बहुत ज़बरदस्त	अल्लाह	और है	अपनी तरफ़	अल्लाह ने	उठा लिया उसे	बल्कि

وَيَوْمَ	مَوْتِهٖ ج	قَبْلَ	بِهٖ	لَيُؤْمِنَنَّ	اِلَّا	مِّنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ
और दिन	उसकी मौत से	पहले	इस पर	अलबत्ता वो ज़रूर ईमान लाएगा	मगर	अहले किताब में से कोई

هَادُوْا	مِّنَ الَّذِيْنَ	فَبِظُلْمٍ	شَهِيْدًا (159) ج	عَلَيْهِمْ	يَكُوْنُ	الْقِيٰمَةِ
यहूदी बन गए	उन लोगों के जो	पस बवजह ज़ुल्म के	गवाह	उन पर	वो होगा	क़यामत के

عَنْ سَبِيْلِ	وَبِصَدِّهِمْ	لَهُمْ	اُحِلَّتْ	طَيِّبٰتٍ	عَلَيْهِمْ	حَرَّمْنَا
रास्ते से	और बवजह उनके रोकने के	उनके लिए	जो हलाल की गई थीं	पाकीज़ा चीज़ें	उन पर	हराम कर दीं हमने

عَنْهُ	نُهُوْا	وَقَدْ	الرِّبٰوا	وَّاَخْذِهِمُ	كَثِيْرًا (160) لا	اللّٰهِ
उस से	वो रोके गए थे	हालांकि तहक़ीक़	सूद को	और(बवजह) उनके लेने के	अक्सरियत को	अल्लाह के

لِلْكٰفِرِيْنَ	وَاَعْتَدْنَا	بِالْبَاطِلِ ط	النَّاسِ	اَمْوَالَ	وَاَكْلِهِمْ
काफ़िरों के लिए	और तैयार कर रखा है हमने	बातिल(तरीक़े) से	लोगों के	माल	और (बवजह) उनके खाने के

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِنْهُمْ	عَذَابًا	اَلِيْمًا ﴿161﴾	لٰكِنِ	الرّٰسِخُوْنَ	فِي الْعِلْمِ	مِنْهُمْ
उनमें से	अज़ाब	दर्दनाक	लेकिन	जो रासिख़ हैं	इल्म में	उनमें से

وَالْمُؤْمِنُوْنَ	يُؤْمِنُوْنَ	بِمَآ	اُنْزِلَ	اِلَيْكَ	وَمَآ	اُنْزِلَ
और जो ईमान लाने वाले हैं	वो ईमान लाते हैं	उस पर जो	नाज़िल किया गया	तरफ़ आपके	और जो	नाज़िल किया गया

مِنْ قَبْلِكَ	وَالْمُقِيْمِيْنَ	الصَّلٰوةَ	وَالْمُؤْتُوْنَ	الزَّكٰوةَ	وَالْمُؤْمِنُوْنَ
आपसे पहले	और जो क़ायम करने वाले हैं	नमाज़	और जो देने वाले हैं	ज़कात	और जो ईमान लाने वाले हैं

ع 22 10 2

بِاللّٰهِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ ؕ	اُولٰٓئِكَ	سَنُؤْتِيْهِمْ	اَجْرًا	عَظِيْمًا ﴿162﴾ ع	اِنَّآ
अल्लाह पर	और आख़िरी दिन पर	यही लोग हैं	अनक़रीब हम देंगे उन्हें	अज्र	बहुत बड़ा	बेशक हम

اَوْحَيْنَآ	اِلَيْكَ	كَمَآ	اَوْحَيْنَآ	اِلٰى	نُوْحٍ	وَّالنَّبِيّٖنَ	مِنْۢ بَعْدِهٖ ۚ
वही की हमने	तरफ़ आपके	जैसा कि	वही की हमने	तरफ़	नूह के	और नबियों के	बाद इसके

وَاَوْحَيْنَآ	اِلٰٓى	اِبْرٰهِيْمَ	وَاِسْمٰعِيْلَ	وَاِسْحٰقَ	وَيَعْقُوْبَ
और वही की हमने	तरफ़	इब्राहीम	और इस्माईल	और इसहाक़	और याक़ूब

وَالْاَسْبَاطِ	وَعِيْسٰى	وَاَيُّوْبَ	وَيُوْنُسَ	وَهٰرُوْنَ	وَسُلَيْمٰنَ ۚ
और औलादे याक़ूब के	और ईसा	और अय्यूब	और यूनुस	और हारून	और सुलेमान के

وَاٰتَيْنَا	دَاوٗدَ	زَبُوْرًا ﴿163﴾ ۚ	وَرُسُلًا	قَدْ	قَصَصْنٰهُمْ
और दी हमने	दाऊद को	ज़बूर	और कई रसूल	तहक़ीक़	ज़िक्र किया हमने उनका

مِنْ قَبْلُ	وَرُسُلًا	لَّمْ	نَقْصُصْهُمْ	عَلَيْكَ ؕ	وَكَلَّمَ	اللّٰهُ	مُوْسٰى
इससे पहले	और कई रसूल	नहीं	हमने ज़िक्र किया उनका	आप पर	और कलाम किया	अल्लाह ने	मूसा से

تَكْلِيْمًا ﴿164﴾ ۚ	رُسُلًا	مُّبَشِّرِيْنَ	وَمُنْذِرِيْنَ	لِئَلَّا	يَكُوْنَ	لِلنَّاسِ
कलाम करना	(ये) रसूल थे	ख़ुशख़बरी देने वाले	और डराने वाले	ताकि ना	हो	लोगों के लिए

عَلَى اللّٰهِ	حُجَّةٌۢ	بَعْدَ	الرُّسُلِ ؕ	وَ كَانَ	اللّٰهُ	عَزِيْزًا	حَكِيْمًا ﴿165﴾
अल्लाह पर	कोई हुज्जत	बाद	रसूलों के	और है	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त	ख़ूब हिक्मत वाला

لٰكِنِ	اللّٰهُ	يَشْهَدُ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اِلَيْكَ	اَنْزَلَهٗ	بِعِلْمِهٖ ۚ
लेकिन	अल्लाह	वो गवाही देता है	उसकी जो	उसने नाज़िल किया	तरफ़ आपके	उसने नाज़िल किया है उसे	अपने इल्म से

وَ الْمَلٰٓئِكَةُ	يَشْهَدُوْنَ ؕ	وَ كَفٰى	بِاللّٰهِ	شَهِيْدًا ؕ ﴿166﴾	اِنَّ	الَّذِيْنَ
और फ़रिश्ते	वो गवाही देते हैं	और काफ़ी है	अल्लाह	गवाह	बेशक	वो जिन्होंने

كَفَرُوْا	وَ صَدُّوْا	عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	قَدْ	ضَلُّوْا	ضَلٰلًۢا	بَعِيْدًا ﴿167﴾
कुफ़्र किया	और उन्होंने रोका	अल्लाह के रास्ते से	तहक़ीक़	वो गुमराह हो गए	गुमराह होना	दूर का

اِنَّ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	وَ ظَلَمُوْا	لَمْ	يَكُنِ	اللّٰهُ	لِيَغْفِرَ	لَهُمْ	وَ لَا
बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	और ज़ुल्म किया	नहीं	है	अल्लाह	कि वो बख़्श दे	उन्हें	और ना

لِيَهْدِيَهُمْ	طَرِيْقًا ﴿168﴾	اِلَّا	طَرِيْقَ	جَهَنَّمَ	خٰلِدِيْنَ	فِيْهَآ
कि वो हिदायत दे उन्हें	रास्ते की	सिवाय	रास्ते के	जहन्नम के	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें

اَبَدًا ؕ	وَ كَانَ	ذٰلِكَ	عَلَى اللّٰهِ	يَسِيْرًا ﴿169﴾	يٰٓاَيُّهَا	النَّاسُ	قَدْ
अबद तक/ हमेशा-हमेशा	और है	ये बात	अल्लाह पर	बहुत आसान	ऐ	लोगो	तहक़ीक़

جَآءَكُمُ	الرَّسُوْلُ	بِالْحَقِّ	مِنْ رَّبِّكُمْ	فَاٰمِنُوْا	خَيْرًا	لَّكُمْ ؕ
आ गया है तुम्हारे पास	रसूल	साथ हक़ के	तुम्हारे रब की तरफ़ से	पस ईमान ले आओ	बेहतर है	तुम्हारे लिए

وَ اِنْ	تَكْفُرُوْا	فَاِنَّ	لِلّٰهِ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَ الْاَرْضِ ؕ
और अगर	तुम कुफ़्र करोगे	तो बेशक	अल्लाह ही के लिए है	जो कुछ	आसमानों में है	और ज़मीन में

وَ كَانَ	اللّٰهُ	عَلِيْمًا	حَكِيْمًا ﴿170﴾	يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	لَا تَغْلُوْا
और है	अल्लाह	बहुत इल्म वाला	बहुत हिक्मत वाला	ऐ अहले किताब	ना तुम ग़ुलुव करो

© HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فِيْ دِيْنِكُمْ	وَلَا	تَقُوْلُوْا	عَلَى اللّٰهِ	اِلَّا	الْحَقَّ ؕ	اِنَّمَا	الْمَسِيْحُ
अपने दीन में	और ना	तुम कहो	अल्लाह पर	मगर	हक़	बेशक	मसीह

عِيْسَى ابْنُ مَرْيَمَ	رَسُوْلُ	اللّٰهِ	وَكَلِمَتُهٗ ۚ	اَلْقٰىهَآ	اِلٰى
ईसा इबने मरयम	रसूल है	अल्लाह के	और कलमा उसका	उसने डाला था उसको	तरफ़

مَرْيَمَ	وَرُوْحٌ	مِّنْهُ ؕ	فَاٰمِنُوْا	بِاللّٰهِ	وَرُسُلِهٖ ۚ	وَلَا	تَقُوْلُوْا
मरियम के	और रूह	उसकी तरफ़ से	तो ईमान लाओ तुम	अल्लाह पर	और उसके रसूलों पर	और ना	तुम कहो

ثَلٰثَةٌ ؕ	اِنْتَهُوْا	خَيْرًا	لَّكُمْ ؕ	اِنَّمَا	اللّٰهُ	اِلٰهٌ	وَّاحِدٌ ؕ
तीन हैं	बाज़ आ जाओ	बेहतर है	तुम्हारे लिए	बेशक	अल्लाह	इलाह है	एक ही

سُبْحٰنَهٗٓ	اَنْ	يَّكُوْنَ	لَهٗ	وَلَدٌ ۘ	لَهٗ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ
पाक है वो	कि	हो	उसके लिए	कोई औलाद	उसी के लिए है	जो कुछ	आसमानों में है

وقف لازم

وَمَا	فِي الْاَرْضِ ؕ	وَكَفٰى	بِاللّٰهِ	وَكِيْلًا ﴿171﴾ ع	لَنْ	يَّسْتَنْكِفَ	
और जो कुछ	ज़मीन में है	और काफ़ी है	अल्लाह	कारसाज़	हरगिज़ नहीं	आर महसूस करेगा	

ع 23 9 3

الْمَسِيْحُ	اَنْ	يَّكُوْنَ	عَبْدًا	لِّلّٰهِ	وَلَا	الْمَلٰٓئِكَةُ	الْمُقَرَّبُوْنَ ؕ
मसीह	कि	हो वो	बन्दा	अल्लाह का	और ना	फ़रिश्ते	मुक़र्रब

وَمَنْ	يَّسْتَنْكِفْ	عَنْ عِبَادَتِهٖ	وَيَسْتَكْبِرْ	فَسَيَحْشُرُهُمْ	اِلَيْهِ
और जो कोई	आर महसूस करे	उसकी इबादत से	और तकब्बुर करे	पस अनक़रीब वो इकट्ठा करेगा उन्हें	अपनी तरफ़

جَمِيْعًا ﴿172﴾	فَاَمَّا	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ
सब के सबको	तो रहे	वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक

فَيُوَفِّيْهِمْ	اُجُوْرَهُمْ	وَيَزِيْدُهُمْ	مِّنْ فَضْلِهٖ ۚ	وَاَمَّا
पस वो पूरे-पूरे देगा उन्हें	अजर उनके	और वह ज़्यादा देगा उन्हें	अपने फ़ज़्ल से	और रहे

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الَّذِيْنَ	اسْتَنْكَفُوْا	وَاسْتَكْبَرُوْا	فَيُعَذِّبُهُمْ	عَذَابًا	اَلِيْمًا ۙ
वो जिन्होंने	आर महसूस की	और उन्होंने तकब्बुर किया	तो वो अज़ाब देगा उन्हें	अज़ाब	दर्दनाक

وَّلَا	يَجِدُوْنَ	لَهُمْ	مِّنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	وَلِيًّا	وَّلَا	نَصِيْرًا ﴿173﴾
और नहीं	वो पाऐंगे	अपने लिए	सिवाए	अल्लाह के	कोई हिमायती	और ना	कोई मददगार

يٰٓاَيُّهَا	النَّاسُ	قَدْ	جَآءَكُمْ	بُرْهَانٌ	مِّنْ رَّبِّكُمْ	وَاَنْزَلْنَآ
ऐ	लोगो	तहक़ीक़	आ चुकी तुम्हारे पास	एक दलील	तुम्हारे रब की तरफ़ से	और नाज़िल किया हमने

اِلَيْكُمْ	نُوْرًا	مُّبِيْنًا ﴿174﴾	فَاَمَّا	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	بِاللّٰهِ
तरफ़ तुम्हारे	एक नूर	वाज़ेह	तो रहे	वो जो	ईमान लाए	अल्लाह पर

وَاعْتَصَمُوْا	بِهٖ	فَسَيُدْخِلُهُمْ	فِيْ رَحْمَةٍ	مِّنْهُ	وَفَضْلٍ ۙ
और उन्होंने मज़बूत पकड़ा	उसे	तो अनक़रीब वो दाख़िल करेगा उन्हें	रहमत में	अपनी तरफ़ से	और फ़ज़्ल में

وَّيَهْدِيْهِمْ	اِلَيْهِ	صِرَاطًا	مُّسْتَقِيْمًا ﴿175﴾ ؕ	يَسْتَفْتُوْنَكَ ؕ	قُلِ
और रहनुमाई करेगा उनकी	अपनी तरफ़	रास्ते	सीधे की	वो फ़तवा पूछते हैं आपसे	कह दीजिए

اللّٰهُ	يُفْتِيْكُمْ	فِي الْكَلٰلَةِ ؕ	اِنِ	امْرُؤٌا	هَلَكَ	لَيْسَ	لَهٗ
अल्लाह	वो फ़तवा देता है तुम्हें	कलाला के बारे में	अगर	कोई मर्द	हलाक हो जाए	ना हो	उसकी

وَلَدٌ	وَّلَهٗٓ	اُخْتٌ	فَلَهَا	نِصْفُ	مَا	تَرَكَ ۚ	وَهُوَ
कोई औलाद	और हो उसकी	एक बहन	तो उसके लिए	आधा है	उसका जो	उसने छोड़ा	और वो ख़ुद

يَرِثُهَآ	اِنْ	لَّمْ	يَكُنْ	لَّهَا	وَلَدٌ ؕ	فَاِنْ	كَانَتَا	اثْنَتَيْنِ
वारिस होगा उसका	अगर	ना	हो	उस(बहन) की	कोई औलाद	फिर अगर	हों वो दोनों	दो बहनें

فَلَهُمَا	الثُّلُثٰنِ	مِمَّا	تَرَكَ ؕ	وَاِنْ	كَانُوْٓا	اِخْوَةً
तो उन दोनों के लिए	दो तिहाई है	उसमें से जो	उस (भाई) ने छोड़ा	और अगर	हों वो	कई बहन भाई

© AL-QURAN INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُبَيِّنُ	الْاُنْثَيَيْنِ ؕ	حَظِّ	مِثْلُ	فَلِلذَّكَرِ	وَّنِسَآءً	رِّجَالًا
वाज़ेह करता है	दो औरतों के है	हिस्सा	मानिंद	तो मर्द के लिए	और औरतें	मर्द

عَلِيْمٌ ﴿176﴾ ع	شَيْءٍ	بِكُلِّ	وَاللّٰهُ	تَضِلُّوْا ؕ	اَنْ	لَكُمْ	اللّٰهُ
ख़ूब जानने वाला है	चीज़ को	हर	और अल्लाह	(ना) तुम गुमराह हो जाओ	ताकि	तुम्हारे लिए	अल्लाह

ع 24 5 4

رُكُوْعَاتُهَا: 16 — 5 سُوْرَةُ الْمَآئِدَةِ مَدَنِيَّةٌ 112 — اٰيَاتُهَا: 120

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

منزل 2

لَكُمْ	اُحِلَّتْ	بِالْعُقُوْدِ ؕ	اَوْفُوْا	اٰمَنُوْٓا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
तुम्हारे लिए	हलाल कर दिए गए	अहदो पैमान को	पूरा करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो

مُحِلِّي	غَيْرَ	عَلَيْكُمْ	يُتْلٰى	مَا	اِلَّا	الْاَنْعَامِ	بَهِيْمَةُ
हलाल करने वाले हो	ना	तुम पर	पढ़े जाऐंगे	उनके जो	सिवाय	मवेशियों के	चौपाए

يُرِيْدُ ﴿1﴾	مَا	يَحْكُمُ	اللّٰهَ	اِنَّ	حُرُمٌ ؕ	وَاَنْتُمْ	الصَّيْدِ
वो चाहता है	जो	वो फ़ैसला करता है	अल्लाह	बेशक	(हालत) एहराम में हो	जबकि तुम	शिकार को

الْحَرَامَ	الشَّهْرَ	وَلَا	اللّٰهِ	شَعَآئِرَ	لَا تُحِلُّوْا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
हराम को	माहे	और ना	अल्लाह की	निशानियों को	ना तुम हलाल करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो

الْبَيْتَ الْحَرَامَ	آٰمِّيْنَ	وَلَآ	الْقَلَآئِدَ	وَلَا	الْهَدْيَ	وَلَا
बैतुल हराम का	इरादा करने वालों को	और ना	पट्टे वाले जानवरों को	और ना	क़ुर्बानी के जानवर को	और ना

فَاصْطَادُوْا ؕ	حَلَلْتُمْ	وَاِذَا	وَرِضْوَانًا ؕ	مِّنْ رَّبِّهِمْ	فَضْلًا	يَبْتَغُوْنَ
तो शिकार करो (अगर तुम चाहो)	हलाल हो जाओ तुम	और जब	और रज़ामंदी	अपने रब की तरफ़ से	फ़ज़्ल	जो चाहते हैं

عَنِ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ	صَدُّوْكُمْ	اَنْ	قَوْمٍ	شَنَاٰنُ	يَجْرِمَنَّكُمْ	وَلَا
मस्जिदे हराम से	उन्होंने रोका तुम्हें	कि	किसी क़ौम की	दुश्मनी	आमादा करे तुम्हें	और ना

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وقف لازم

اَنْ	تَعْتَدُوْا م	وَ تَعَاوَنُوْا	عَلَى الْبِرِّ	وَالتَّقْوٰى صلے	وَلَا	تَعَاوَنُوْا	عَلَى الْاِثْمِ
कि	तुम ज़्यादती करो	और तआवुन करो	नेकी पर	और तक़वा पर	और ना	तुम तआवुन करो	गुनाह पर

الربع

وَالْعُدْوَانِ صلے	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ط	اِنَّ	اللّٰهَ	شَدِيْدُ	الْعِقَابِ ②	حُرِّمَتْ
और ज़्यादती पर	और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	सख़्त	सज़ा वाला है	हराम किया गया

عَلَيْكُمُ	الْمَيْتَةُ	وَالدَّمُ	وَلَحْمُ	الْخِنْزِيْرِ	وَمَآ	اُهِلَّ	لِغَيْرِ	اللّٰهِ
तुम पर	मुर्दार	और ख़ून	और गोश्त	ख़िंज़ीर का	और जो	पुकारा गया	वास्ते ग़ैर	अल्लाह के

بِهٖ	وَالْمُنْخَنِقَةُ	وَالْمَوْقُوْذَةُ	وَالْمُتَرَدِّيَةُ	وَالنَّطِيْحَةُ	وَمَآ
उसको	और गला घुट कर मरने वाली	और चोट लग कर मरने वाली	और बुलंदी से गिर कर मरने वाली	और सींग लग कर मरने वाली	और जिसे

اَكَلَ	السَّبُعُ	اِلَّا	مَا	ذَكَّيْتُمْ قف	وَمَا	ذُبِحَ	عَلَى النُّصُبِ	وَاَنْ
खा जाए	दरिंदा	मगर	जिसको	ज़िबह कर लिया तुमने	और जो	ज़िबह किया गया	आस्तानों पर	और ये कि

تَسْتَقْسِمُوْا	بِالْاَزْلَامِ ط	ذٰلِكُمْ	فِسْقٌ ط	اَلْيَوْمَ	يَئِسَ	الَّذِيْنَ
तुम क़िस्मत मालूम करो	तीरों/पांसों के ज़रिए	यह सब	गुनाह (के काम) हैं	आज के दिन	मायूस हो गए	वो जिन्होंने

كَفَرُوْا	مِنْ دِيْنِكُمْ	فَلَا	تَخْشَوْهُمْ	وَاخْشَوْنِ ط	اَلْيَوْمَ	اَكْمَلْتُ
कुफ़्र किया	तुम्हारे दीन से	तो ना	तुम डरो उनसे	और डरो मुझसे	आज के दिन	मुकम्मल कर दिया मैंने

لَكُمْ	دِيْنَكُمْ	وَاَتْمَمْتُ	عَلَيْكُمْ	نِعْمَتِيْ	وَرَضِيْتُ	لَكُمُ
तुम्हारे लिए	दीन तुम्हारा	और तमाम कर दी मैंने	तुम पर	नेअमत अपनी	और पसंद कर लिया मैंने	तुम्हारे लिए

الْاِسْلَامَ	دِيْنًا ط	فَمَنِ	اضْطُرَّ	فِيْ مَخْمَصَةٍ	غَيْرَ مُتَجَانِفٍ	لِّاِثْمٍ لا
इस्लाम को	बतौर दीन	तो जो कोई	मजबूर किया गया	भूख में	ना माइल होने वाला	तरफ़ गुनाह के

فَاِنَّ	اللّٰهَ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ ③	يَسْـَٔلُوْنَكَ	مَاذَآ	اُحِلَّ	لَهُمْ ط
तो बेशक	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	वो सवाल करते हैं आपसे	क्या कुछ	हलाल किया गया	उनके लिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

قُلْ	اُحِلَّ	لَكُمُ	الطَّيِّبٰتُ ۙ	وَمَا	عَلَّمْتُمْ	مِّنَ الْجَوَارِحِ
कह दीजिए	हलाल की गईं	तुम्हारे लिए	पाकीज़ा चीज़ें	और जो	सिखाया तुमने	शिकारी जानवरों को

مُكَلِّبِيْنَ	تُعَلِّمُوْنَهُنَّ	مِمَّا	عَلَّمَكُمُ	اللّٰهُ ۫	فَكُلُوْا	مِمَّآ
शिकार की तालीम देने वाले	तुम सिखाते हो उन्हें	उसमें से जो	सिखाया तुम्हें	अल्लाह ने	तो खाओ	उसमें से जो

اَمْسَكْنَ	عَلَيْكُمْ	وَاذْكُرُوا	اسْمَ	اللّٰهِ	عَلَيْهِ ۠	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ؕ	اِنَّ
वो रोक रखें	तुम पर	और ज़िक्र करो	नाम	अल्लाह का	उस पर	और डरो	अल्लाह से	बेशक

اللّٰهَ	سَرِيْعُ	الْحِسَابِ ④	اَلْيَوْمَ	اُحِلَّ	لَكُمُ	الطَّيِّبٰتُ ؕ
अल्लाह	जल्द लेने वाला है	हिसाब	आज के दिन	हलाल कर दी गईं	तुम्हारे लिए	पाकीज़ा चीज़ें

وَطَعَامُ	الَّذِيْنَ	اُوْتُوا	الْكِتٰبَ	حِلٌّ	لَّكُمْ ۠	وَطَعَامُكُمْ	حِلٌّ
और खाना	उनका जो	दिए गए	किताब	हलाल है	तुम्हारे लिए	और खाना तुम्हारा	हलाल है

لَّهُمْ ۫	وَالْمُحْصَنٰتُ	مِنَ الْمُؤْمِنٰتِ	وَالْمُحْصَنٰتُ	مِنَ الَّذِيْنَ	اُوْتُوا
उनके लिए	और पाक दामन औरतें	मोमिन औरतों में से	और पाक दामन औरतें	उनमें से जो	दिए गए

الْكِتٰبَ	مِنْ قَبْلِكُمْ	اِذَآ	اٰتَيْتُمُوْهُنَّ	اُجُوْرَهُنَّ	مُحْصِنِيْنَ
किताब	तुमसे पहले	जब	दे दो तुम उन्हें	महर उनके	निकाह में लाने वाले

غَيْرَ مُسٰفِحِيْنَ	وَلَا	مُتَّخِذِيْٓ	اَخْدَانٍ ؕ	وَمَنْ	يَّكْفُرْ	بِالْاِيْمَانِ
ना बदकारी करने वाले	और ना	बनाने वाले	छुपे दोस्त	और जो कोई	कुफ़्र करेगा	साथ ईमान के

فَقَدْ	حَبِطَ	عَمَلُهٗ ۫	وَهُوَ	فِي الْاٰخِرَةِ	مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ⑤ ع
पस तहक़ीक़	ज़ाया हो गया	अमल उसका	और वो	आख़िरत में	ख़सारा पाने वालों में से होगा

ع 1 5 5

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْٓا	اِذَا	قُمْتُمْ	اِلَى الصَّلٰوةِ	فَاغْسِلُوْا
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	जब	खड़े हो तुम	तरफ़ नमाज़ के	तो धो लो तुम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وُجُوْهَكُمْ	وَ اَيْدِيَكُمْ	اِلَى الْمَرَافِقِ	وَامْسَحُوْا	بِرُءُوْسِكُمْ
अपने चेहरों को	और अपने हाथों को	कोहनियों तक	और मसह कर लो	अपने सरों का

وَ اَرْجُلَكُمْ	اِلَى الْكَعْبَيْنِ ؕ	وَ اِنْ	كُنْتُمْ	جُنُبًا	فَاطَّهَّرُوْا ؕ	وَ اِنْ
और अपने पांव को (धो लो)	टख़नों तक	और अगर	हो तुम	हालते जनाबत में	तो ख़ूब पाक हो जाओ	और अगर

كُنْتُمْ	مَّرْضٰۤى	اَوْ	عَلٰى سَفَرٍ	اَوْ	جَآءَ	اَحَدٌ	مِّنْكُمْ	مِّنَ الْغَآئِطِ
हो तुम	बीमार	या	किसी सफ़र पर	या	आया	कोई एक	तुम में से	क़ज़ाए हाजत से

اَوْ	لٰمَسْتُمُ	النِّسَآءَ	فَلَمْ	تَجِدُوْا	مَآءً	فَتَيَمَّمُوْا	صَعِيْدًا
या	छुआ हो तुमने	औरतों को	फिर ना	तुम पाओ	पानी	तो तयम्मुम कर लो	मिट्टी

طَيِّبًا	فَامْسَحُوْا	بِوُجُوْهِكُمْ	وَ اَيْدِيْكُمْ	مِّنْهُ ؕ	مَا	يُرِيْدُ	اللّٰهُ
पाक से	फिर मसह करो	अपने चेहरों का	और अपने हाथों का	उससे	नहीं	चाहता	अल्लाह

لِيَجْعَلَ	عَلَيْكُمْ	مِّنْ حَرَجٍ	وَّلٰكِنْ	يُّرِيْدُ	لِيُطَهِّرَكُمْ	وَ لِيُتِمَّ
कि वो कर दे	तुम पर	कोई तंगी	और लेकिन	वो चाहता है	कि वो पाक कर दे तुम्हें	और ताकि वो पूरा कर दे

نِعْمَتَهٗ	عَلَيْكُمْ	لَعَلَّكُمْ	تَشْكُرُوْنَ ⑥	وَاذْكُرُوْا	نِعْمَةَ	اللّٰهِ
अपनी नेअमत को	तुम पर	ताकि तुम	शुक्र अदा करो	और याद करो	नेअमत को	अल्लाह की

عَلَيْكُمْ	وَ مِيْثَاقَهُ	الَّذِىْ	وَاثَقَكُمْ	بِهٖۤ	اِذْ	قُلْتُمْ	سَمِعْنَا
जो तुम पर है	और उसका पुख़्ता अहद	वो जो	उसने तुमसे अहद लिया	साथ उसके	जब	कहा तुमने	सुना हमने

وَ اَطَعْنَا ۫	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	عَلِيْمٌۢ	بِذَاتِ الصُّدُوْرِ ⑦
और इताअत की हमने	और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	ख़ूब जानने वाला है	सीनों वाले(भेद)

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	كُوْنُوْا	قَوّٰمِيْنَ	لِلّٰهِ	شُهَدَآءَ	بِالْقِسْطِ ۫
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	हो जाओ तुम	क़ायम रहने वाले	अल्लाह के लिए	गवाह	साथ इंसाफ़ के

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَلَا	يَجْرِمَنَّكُمْ	شَنَاٰنُ	قَوْمٍ	عَلٰٓى	اَلَّا	تَعْدِلُوْا ؕ	اِعْدِلُوْا ۟ قف
और ना	हरगिज़ आमादा करे तुम्हे	दुश्मनी	किसी क़ौम की	इस पर	कि ना	तुम अदल करोगे	अदल करो

هُوَ	اَقْرَبُ	لِلتَّقْوٰى ز	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	خَبِيْرٌۢ
वो	ज़्यादा क़रीब है	तक़वा के	और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	ख़ूब ख़बर रखने वाला है

بِمَا	تَعْمَلُوْنَ ﴿8﴾	وَعَدَ	اللّٰهُ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ ۙ
उसकी जो	तुम अमल करते हो	वादा किया	अल्लाह ने	उनसे जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक

لَهُمْ	مَّغْفِرَةٌ	وَّاَجْرٌ	عَظِيْمٌ ﴿9﴾	وَالَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	وَكَذَّبُوْا
उनके लिए	मग़फ़िरत	और अज्र है	बहुत बड़ा	और वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	और उन्होंने झुठलाया

بِاٰيٰتِنَآ	اُولٰٓئِكَ	اَصْحٰبُ	الْجَحِيْمِ ﴿10﴾	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوا	اذْكُرُوْا
हमारी आयात को	यही लोग हैं	साथी	जहन्नम के	ऐ लोगो जो	ईमान लाऐ हो	याद करो

نِعْمَتَ	اللّٰهِ	عَلَيْكُمْ	اِذْ	هَمَّ	قَوْمٌ	اَنْ	يَّبْسُطُوْٓا	اِلَيْكُمْ
नेअमत को	अल्लाह की	जो तुम पर है	जब	इरादा किया	एक क़ौम ने	कि	वो बढ़ाऐं	तरफ़ तुम्हारे

اَيْدِيَهُمْ	فَكَفَّ	اَيْدِيَهُمْ	عَنْكُمْ ۚ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ؕ	وَعَلَى اللّٰهِ
हाथ अपने	तो उसने रोक दिए	हाथ उनके	तुमसे	और डरो	अल्लाह से	और अल्लाह ही पर

ع 2 6 6

فَلْيَتَوَكَّلِ	الْمُؤْمِنُوْنَ ﴿11﴾ ع	وَلَقَدْ	اَخَذَ	اللّٰهُ	مِيْثَاقَ
पस चाहिए कि तवक्कुल करें	ईमान वाले	और अलबत्ता तहक़ीक़	लिया	अल्लाह ने	पुख़्ता अहद

بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ ۚ	وَبَعَثْنَا	مِنْهُمُ	اثْنَىْ عَشَرَ	نَقِيْبًا ؕ	وَقَالَ	اللّٰهُ
बनी इस्राईल से	और मुक़र्रर किए हमने	उनमें से	बारह	निगरान	और कहा	अल्लाह ने

اِنِّيْ	مَعَكُمْ ؕ	لَئِنْ	اَقَمْتُمُ	الصَّلٰوةَ	وَاٰتَيْتُمُ	الزَّكٰوةَ	وَاٰمَنْتُمْ
बेशक मैं	साथ हूं तुम्हारे	अलबत्ता अगर	क़ायम की तुमने	नमाज़	और दी तुमने	ज़कात	और ईमान लाए तुम

بِرُسُلِيْ	وَعَزَّرْتُمُوْهُمْ	وَاَقْرَضْتُمُ	اللّٰهَ	قَرْضًا	حَسَنًا	لَّاُكَفِّرَنَّ
मेरे रसूलों पर	और मदद की तुमने उनकी	और क़र्ज़ दिया तुमने	अल्लाह को	क़र्ज़	अच्छा	अलबत्ता मैं ज़रूर दूर कर दूंगा

عَنْكُمْ	سَيِّاٰتِكُمْ	وَلَاُدْخِلَنَّكُمْ	جَنّٰتٍ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا
तुमसे	बुराईयां तुम्हारी	और अलबत्ता मैं ज़रूर दाख़िल करुंगा तुम्हें	बाग़ात में	बहती हैं	उनके नीचे से

الْاَنْهٰرُ ۚ	فَمَنْ	كَفَرَ	بَعْدَ	ذٰلِكَ	مِنْكُمْ	فَقَدْ	ضَلَّ
नहरें	तो जिसने	कुफ़्र किया	बाद	इसके	तुम में से	तो तहक़ीक़	वो भटक गया

سَوَآءَ	السَّبِيْلِ ﴿12﴾	فَبِمَا	نَقْضِهِمْ	مِّيْثَاقَهُمْ	لَعَنّٰهُمْ	وَجَعَلْنَا
सीधे	रास्ते से	तो बवजह	उनके तोड़ने के	अपने पुख़्ता अहद को	लानत की हमने उन पर	और कर दिया हमने

قُلُوْبَهُمْ	قٰسِيَةً ۚ	يُحَرِّفُوْنَ	الْكَلِمَ	عَنْ مَّوَاضِعِهٖ ۙ	وَنَسُوْا
उनके दिलों को	सख़्त	वो तब्दील कर देते हैं	अलफ़ाज़ को	उनकी जगहों से	और वो भूल गए हैं

حَظًّا	مِّمَّا	ذُكِّرُوْا	بِهٖ ۚ	وَلَا تَزَالُ	تَطَّلِعُ	عَلٰى خَآئِنَةٍ
बड़ा हिस्सा	उसमें से जो	वो नसीहत किए गऐ थे	जिसकी	और हमेशा	आप इत्तला पाते रहते हैं	किसी ना किसी ख़यानत पर

مِّنْهُمْ	اِلَّا	قَلِيْلًا	مِّنْهُمْ	فَاعْفُ	عَنْهُمْ	وَاصْفَحْ ؕ	اِنَّ
उनकी तरफ़ से	मगर	बहुत थोड़े	उनमें से	पस माफ़ कर दीजिए	उन्हें	और दरगुज़र कीजिए	बेशक

اللّٰهَ	يُحِبُّ	الْمُحْسِنِيْنَ ﴿13﴾	وَمِنَ الَّذِيْنَ	قَالُوْٓا	اِنَّا	نَصٰرٰٓى
अल्लाह	वो मोहब्बत रखता है	एहसान करने वालों से	और उनमें से जिन्होंने	कहा	बेशक हम	नस्रानी हैं

اَخَذْنَا	مِيْثَاقَهُمْ	فَنَسُوْا	حَظًّا	مِّمَّا	ذُكِّرُوْا	بِهٖ ۠
लिया हमने	पुख़्ता अहद उनका	तो वो भूल गए	एक हिस्सा	उसमें से जो	वो नसीहत किए गए थे	जिसकी

فَاَغْرَيْنَا	بَيْنَهُمُ	الْعَدَاوَةَ	وَالْبَغْضَآءَ	اِلٰى يَوْمِ الْقِيٰمَةِ ؕ	وَسَوْفَ
तो डाल दिया हमने	दर्मियान उनके	अदावत	और बुग़्ज़ को	क़यामत के दिन तक	और अनक़रीब

ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُنَبِّئُهُمُ	اللّٰهُ	بِمَا	كَانُوْا	يَصْنَعُوْنَ ⑭	يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	قَدْ
ख़बर देगा उन्हें	अल्लाह	उसकी जो	थे वो	वो करते/बनाते	ऐ अहले किताब	तहक़ीक़

جَآءَكُمْ	رَسُوْلُنَا	يُبَيِّنُ	لَكُمْ	كَثِيْرًا	مِّمَّا	كُنْتُمْ
आ गया तुम्हारे पास	रसूल हमारा	जो वाज़ेह करता है	तुम्हारे लिए	बकसरत	उसमें से जो	थे तुम

تُخْفُوْنَ	مِنَ الْكِتٰبِ	وَيَعْفُوْا	عَنْ كَثِيْرٍ ؕ	قَدْ	جَآءَكُمْ
तुम छुपाते	किताब में से	और वो दरगुज़र करता है	बहुत सी (बातों) से	तहक़ीक़	आ गया तुम्हारे पास

مِّنَ اللّٰهِ	نُوْرٌ	وَّكِتٰبٌ	مُّبِيْنٌ ⑮	يَّهْدِيْ	بِهِ	اللّٰهُ	مَنِ
अल्लाह की तरफ़ से	एक नूर	और किताब	वाज़ेह	हिदायत देता है	साथ इसके	अल्लाह	उस को जो

اتَّبَعَ	رِضْوَانَهٗ	سُبُلَ	السَّلٰمِ	وَيُخْرِجُهُمْ	مِّنَ الظُّلُمٰتِ
पैरवी करे	उसकी रज़ामंदी की	रास्तों की (तरफ़)	सलामती के	और वो निकालता है उन्हें	अंधेरों से

اِلَى النُّوْرِ	بِاِذْنِهٖ	وَيَهْدِيْهِمْ	اِلٰى صِرَاطٍ	مُّسْتَقِيْمٍ ⑯	لَقَدْ
तरफ़ रोशनी के	अपने इज़्न से	और वो हिदायत देता है उन्हें	तरफ़ रास्ते	सीधे के	अलबत्ता तहक़ीक़

كَفَرَ	الَّذِيْنَ	قَالُوْٓا	اِنَّ	اللّٰهَ	هُوَ	الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ ؕ	قُلْ
कुफ़्र किया	जिन्होंने	कहा	बेशक	अल्लाह	वो ही	मसीह इबने मरियम है	कह दीजिए

فَمَنْ	يَّمْلِكُ	مِنَ اللّٰهِ	شَيْـًٔا	اِنْ	اَرَادَ	اَنْ	يُّهْلِكَ
तो कौन	मालिक होगा	अल्लाह से	किसी चीज़ का	अगर	उसने इरादा किया	कि	वो हलाक कर दे

الْمَسِيْحَ ابْنَ مَرْيَمَ	وَاُمَّهٗ	وَمَنْ	فِي الْاَرْضِ	جَمِيْعًا ؕ	وَلِلّٰهِ
मसीह इबने मरियम को	और उसकी मां को	और जो भी	ज़मीन में हैं	सबके सबको	और अल्लाह ही के लिए है

مُلْكُ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ	وَمَا	بَيْنَهُمَا ؕ	يَخْلُقُ	مَا	يَشَآءُ ؕ
बादशाहत	आसमानों	और ज़मीन की	और जो कुछ	दर्मियान है इन दोनों के	वो पैदा करता है	जो	वो चाहता है

وَاللّٰهُ	عَلٰى	كُلِّ	شَىْءٍ	قَدِيْرٌ ﴿17﴾	وَقَالَتِ	الْيَهُوْدُ	وَالنَّصٰرٰى	نَحْنُ
और अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब क़ादिर है	और कहा	यहूद	और नसारा ने	हम

اَبْنٰٓؤُا	اللّٰهِ	وَاَحِبَّآؤُهٗ ؕ	قُلْ	فَلِمَ	يُعَذِّبُكُمْ	بِذُنُوْبِكُمْ ؕ
बेटे हैं	अल्लाह के	और उसके प्यारे हैं	कह दीजिए	फिर क्यों	वो अज़ाब देता है तुम्हें	बवजह तुम्हारे गुनाहों के

بَلْ	اَنْتُمْ	بَشَرٌ	مِّمَّنْ	خَلَقَ ؕ	يَغْفِرُ	لِمَنْ	يَّشَآءُ
बल्कि	तुम	एक इंसान हो	उनमें से जिन्हें	उसने पैदा किया	वो बख़्श देगा	जिसे	वो चाहेगा

وَيُعَذِّبُ	مَنْ	يَّشَآءُ ؕ	وَلِلّٰهِ	مُلْكُ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ	وَمَا
और वो अज़ाब देगा	जिसे	वो चाहेगा	और अल्लाह ही के लिए है	बादशाहत	आसमानों की	और ज़मीन की	और जो

بَيْنَهُمَا ۫	وَاِلَيْهِ	الْمَصِيْرُ ﴿18﴾	يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	قَدْ	جَآءَكُمْ
दर्मियान है इन दोनों के	और तरफ़ उसी के	लौटना है	ऐ अहले किताब	तहक़ीक़	आ गया तुम्हारे पास

رَسُوْلُنَا	يُبَيِّنُ	لَكُمْ	عَلٰى فَتْرَةٍ	مِّنَ الرُّسُلِ	اَنْ	تَقُوْلُوْا	مَا
रसूल हमारा	वो वाज़ेह करता है	तुम्हारे लिए	वक़्फ़े पर	रसूलों के	कि	(ना) तुम कहो	नहीं

جَآءَنَا	مِنْ بَشِيْرٍ	وَّلَا	نَذِيْرٍ ۫	فَقَدْ	جَآءَكُمْ	بَشِيْرٌ	
आया हमारे पास	कोई ख़ुशख़बरी देने वाला	और ना	कोई डराने वाला	पस तहक़ीक़	आ गया तुम्हारे पास	ख़ुशख़बरी देने वाला	

ع 3 8 7

وَّنَذِيْرٌ ؕ	وَاللّٰهُ	عَلٰى	كُلِّ	شَىْءٍ	قَدِيْرٌ ﴿19﴾ ع	وَاِذْ	قَالَ	مُوْسٰى
और डराने वाला	और अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है	और जब	कहा	मूसा ने

لِقَوْمِهٖ	يٰقَوْمِ	اذْكُرُوْا	نِعْمَةَ	اللّٰهِ	عَلَيْكُمْ	اِذْ	جَعَلَ	فِيْكُمْ
अपनी क़ौम से	ऐ मेरी क़ौम	याद करो	नेअमत	अल्लाह की	जो तुम पर (हुई)	जब	उसने बनाए	तुम में

اَنْۢبِيَآءَ	وَجَعَلَكُمْ	مُّلُوْكًا ۖ	وَّاٰتٰىكُمْ	مَّا	لَمْ	يُؤْتِ	اَحَدًا
अम्बिया	और उसने बनाया तुम्हें	बादशाह	और उसने दिया तुम्हें	वो जो	नहीं	उसने दिया	किसी एक को

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّنَ الْعٰلَمِيْنَ ⑳	يٰقَوْمِ	ادْخُلُوا	الْاَرْضَ	الْمُقَدَّسَةَ	الَّتِيْ	كَتَبَ
तमाम जहान वालों में से	ऐ मेरी क़ौम	दाख़िल हो जाओ	अरज़े	मुक़द्दस में	वो जो	लिख दी

اللّٰهُ	لَكُمْ	وَلَا	تَرْتَدُّوْا	عَلٰٓى اَدْبَارِكُمْ	فَتَنْقَلِبُوْا	خٰسِرِيْنَ ㉑
अल्लाह ने	तुम्हारे लिए	और ना	तुम फिर जाना	अपनी पुश्तों पर	वरना तुम लौट जाओगे	ख़सारा पाने वाले होकर

قَالُوْا	يٰمُوْسٰٓى	اِنَّ	فِيْهَا	قَوْمًا	جَبَّارِيْنَ ۖ	وَاِنَّا	لَنْ
उन्होंने कहा	ऐ मूसा	बेशक	उसमें	एक क़ौम है	बड़े ज़बरदस्त लोगों की	और बेशक हम	हरगिज़ ना

نَّدْخُلَهَا	حَتّٰى	يَخْرُجُوْا	مِنْهَا ۚ	فَاِنْ	يَّخْرُجُوْا	مِنْهَا
हम दाख़िल होंगे इसमें	यहां तक कि	वो निकल जाऐं	उससे	फिर अगर	वो निकल जाऐं	उससे

فَاِنَّا	دٰخِلُوْنَ ㉒	قَالَ	رَجُلٰنِ	مِنَ الَّذِيْنَ	يَخَافُوْنَ	اَنْعَمَ
तो बेशक हम	दाख़िल होने वाले हैं	कहा	दो आदमियों ने	उनमें से जो	डरते थे	इनाम किया था

اللّٰهُ	عَلَيْهِمَا	ادْخُلُوْا	عَلَيْهِمُ	الْبَابَ ۚ	فَاِذَا	دَخَلْتُمُوْهُ	فَاِنَّكُمْ
अल्लाह ने	उन दोनो पर	दाख़िल हो जाओ	उन पर	दरवाज़े से	फिर जब	तुम दाख़िल हो जाओगे उसमें	तो बेशक तुम

غٰلِبُوْنَ ۚ۬	وَعَلَى اللّٰهِ	فَتَوَكَّلُوْٓا	اِنْ	كُنْتُمْ	مُّؤْمِنِيْنَ ㉓	قَالُوْا
ग़ालिब आने वाले हो	और अल्लाह ही पर	पस तुम तवक्कल करो	अगर	हो तुम	ईमान लाने वाले	उन्होंने कहा

يٰمُوْسٰٓى	اِنَّا	لَنْ	نَّدْخُلَهَآ	اَبَدًا	مَّا دَامُوْا	فِيْهَا	فَاذْهَبْ
ऐ मूसा	बेशक हम	हरगिज़ नहीं	हम दाख़िल होंगे उसमें	कभी भी	जब तक वो रहेंगे	उसमें	पस जाओ

اَنْتَ	وَرَبُّكَ	فَقَاتِلَآ	اِنَّا	هٰهُنَا	قٰعِدُوْنَ ㉔	قَالَ	رَبِّ
तुम	और रब तुम्हारा	पस तुम दोनों जंग करो	बेशक हम	यहीं	बैठने वाले हैं	कहा	ऐ मेरे रब

اِنِّيْ	لَآ اَمْلِكُ	اِلَّا	نَفْسِيْ	وَاَخِيْ	فَافْرُقْ	بَيْنَنَا	وَبَيْنَ
बेशक मैं	नहीं मैं मालिक	मगर	अपने नफ़्स का	और अपने भाई का	पस जुदाई डाल दे	दर्मियान हमारे	और दर्मियान

الْقَوْمِ	الْفٰسِقِيْنَ ﴿25﴾	قَالَ	فَاِنَّهَا	مُحَرَّمَةٌ	عَلَيْهِمْ	اَرْبَعِيْنَ
उन लोगों के	जो फ़ासिक़ है	फ़रमाया	पस बेशक वो	हराम कर दी गई	उन पर	चालीस

سَنَةً ۚ	يَتِيْهُوْنَ	فِى الْاَرْضِ ؕ	فَلَا	تَاْسَ	عَلَى الْقَوْمِ
साल	वो भटकते फिरेंगे	ज़मीन में	पस ना	तुम अफ़सोस करो	उन लोगों पर

ع 4 7 8 وقف لازم

الْفٰسِقِيْنَ ﴿26﴾ ع	وَاتْلُ	عَلَيْهِمْ	نَبَاَ	ابْنَىْ	اٰدَمَ	بِالْحَقِّ ۘ	اِذْ
जो फ़ासिक़ हैं	और पढ़िए	इन पर	ख़बर	दो बेटों की	आदम के	साथ हक़ के	जब

قُرْبَانًا	فَتُقُبِّلَ	مِنْ اَحَدِهِمَا	وَلَمْ	يُتَقَبَّلْ	
क़ुर्बानी करना	तो वो क़ुबूल कर ली गई	उन दोनों में एक से	और ना	वो क़ुबूल की गई	

قَرَّبَا	قُرْبَانًا	فَتُقُبِّلَ	مِنْ اَحَدِهِمَا	وَلَمْ	يُتَقَبَّلْ	
उन दोनों ने क़ुर्बानी की	क़ुर्बानी करना	तो वो क़ुबूल कर ली गई	उन दोनों में एक से	और ना	वो क़ुबूल की गई	

مِنَ الْاٰخَرِ ؕ	قَالَ	لَاَقْتُلَنَّكَ ؕ	قَالَ	اِنَّمَا	يَتَقَبَّلُ	اللّٰهُ
दूसरे से	कहा	अलबत्ता मैं ज़रूर क़त्ल करुंगा तुझे	कहा	बेशक	क़ुबूल करता है	अल्लाह

النصف

مِنَ الْمُتَّقِيْنَ ﴿27﴾	لَئِنْ	بَسَطْتَّ	اِلَىَّ	يَدَكَ	لِتَقْتُلَنِىْ	مَآ
मुत्तक़ी लोगों से	अलबत्ता अगर	बढ़ाया तू ने	मेरी तरफ़	हाथ अपना	ताकि तू क़त्ल कर दे मुझे	नहीं

اَنَا	بِبَاسِطٍ	يَّدِىَ	اِلَيْكَ	لِاَقْتُلَكَ ۚ	اِنِّىْٓ	اَخَافُ	اللّٰهَ
मैं	बढ़ाने वाला	हाथ अपना	तरफ़ तेरे	ताकि मैं क़त्ल करदुं तुझे	बेशक मैं	डरता हूं	अल्लाह से

رَبَّ	الْعٰلَمِيْنَ ﴿28﴾	اِنِّىْٓ	اُرِيْدُ	اَنْ	تَبُوْٓاَ	بِاِثْمِىْ	وَاِثْمِكَ
जो रब है	तमाम जहानों का	बेशक मैं	मैं चाहता हूं	कि	तू पलटे	साथ मेरे गुनाह	और अपने गुनाह के

فَتَكُوْنَ	مِنْ اَصْحٰبِ	النَّارِ ۚ	وَذٰلِكَ	جَزٰٓؤُا	الظّٰلِمِيْنَ ۚ ﴿29﴾	فَطَوَّعَتْ
फिर तू हो जाए	साथियों में से	आग के	और ये	बदला है	ज़ालिमों का	तो आसान कर दिया

لَهٗ	نَفْسُهٗ	قَتْلَ	اَخِيْهِ	فَقَتَلَهٗ	فَاَصْبَحَ	مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ﴿30﴾
उसके लिए	उसके नफ़्स ने	क़त्ल करना	अपने भाई का	तो उसने क़त्ल कर दिया उसे	पस वो हो गया	ख़सारा पाने वालों में से

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُوَارِىْ	كَيْفَ	لِيُرِيَهٗ	فِى الْاَرْضِ	يَّبْحَثُ	غُرَابًا	اللّٰهُ	فَبَعَثَ
वो छुपाए	किस तरह	ताकि वो दिखाए उसे	ज़मीन में	वो खोदता था	एक कौवा	अल्लाह ने	फिर भेजा

مِثْلَ	اَكُوْنَ	اَنْ	اَعَجَزْتُ	يٰوَيْلَتٰٓى	قَالَ	اَخِيْهِ ؕ	سَوْءَةَ
मानिंद	मैं हो जाऊं	इससे (भी) कि	क्या आजिज़ हुआ मैं	हाय अफ़सोस मुझ पर	उसने कहा	अपने भाई की	लाश

مِنَ النّٰدِمِيْنَ ۛ (31)	فَاَصْبَحَ	اَخِىْ ۚ	سَوْءَةَ	فَاُوَارِىَ	الْغُرَابِ	هٰذَا
नादिम होने वालों में से	तो वो हो गया	अपने भाई की	लाश	कि मैं छुपा दूं	कौवे के	इस

قَتَلَ	مَنْ	اَنَّهٗ	عَلٰى بَنِىْٓ اِسْرَآءِيْلَ	كَتَبْنَا	ذٰلِكَ ۛۚ	مِنْ اَجْلِ
क़त्ल किया	जिसने	कि बेशक वो	बनी इस्राईल पर	लिख दिया हमने	इसके	बवजह

قَتَلَ	فَكَاَنَّمَا	فِى الْاَرْضِ	فَسَادٍ	اَوْ	نَفْسٍ	بِغَيْرِ	نَفْسًا
उसने क़त्ल कर दिया	तो गोया कि	ज़मीन में	फ़साद करने के	या	किसी जान के	बग़ैर	किसी जान को

جَمِيْعًا ؕ	النَّاسَ	اَحْيَا	فَكَاَنَّمَآ	اَحْيَاهَا	وَمَنْ	جَمِيْعًا ؕ	النَّاسَ
सबके सबको	लोगों को	उसने ज़िंदा किया	तो गोया कि	ज़िंदगी बचाई उसकी	और जिसने	सबके सबको	लोगों को

بَعْدَ	مِّنْهُمْ	كَثِيْرًا	اِنَّ	ثُمَّ	بِالْبَيِّنٰتِ ز	رُسُلُنَا	جَآءَتْهُمْ	وَلَقَدْ
बाद	उनमें से	बहुत से	बेशक	फिर	साथ वाज़ेह निशानियों के	रसूल हमारे	आए उनके पास	और अलबत्ता तहक़ीक़

يُحَارِبُوْنَ	الَّذِيْنَ	جَزٰٓؤُا	اِنَّمَا	لَمُسْرِفُوْنَ (32)	فِى الْاَرْضِ	ذٰلِكَ
जंग करते हैं	उनका जो	बदला	बेशक	अलबत्ता ज़्यादती करने वाले हैं	ज़मीन में	इसके

اَوْ	يُّقَتَّلُوْٓا	اَنْ	فَسَادًا	فِى الْاَرْضِ	وَيَسْعَوْنَ	وَرَسُوْلَهٗ	اللّٰهَ
या	वो क़त्ल कर दिए जाएं	ये कि	फ़साद के लिए	ज़मीन में	और वो दौड़ धूप करते हैं	और उसके रसूल से	अल्लाह से

اَوْ يُنْفَوْا	مِّنْ خِلَافٍ	وَاَرْجُلُهُمْ	اَيْدِيْهِمْ	اَوْ تُقَطَّعَ	يُصَلَّبُوْٓا
या वो निकाल दिए जाएं	मुख़ालिफ़ सिम्त से	और पांव उनके	हाथ उनके	या काट दिए जाएं	वो सूली चढ़ा दिए जाएं

وقف النبي صلى الله عليه وسلم
معانقة 5

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِنَ الْاَرْضِ ؕ	ذٰلِكَ	لَهُمْ	خِزْيٌ	فِي الدُّنْيَا	وَلَهُمْ	فِي الْاٰخِرَةِ
इस ज़मीन से	ये	उनके लिए	रुस्वाई है	दुनिया में	और उनके लिए	आख़िरत में

عَذَابٌ	عَظِيْمٌ ﴿33﴾	اِلَّا	الَّذِيْنَ	تَابُوْا	مِنْ قَبْلِ	اَنْ	تَقْدِرُوْا
अज़ाब है	बहुत बड़ा	सिवाए	उन लोगों के जो	तौबा करें	इससे क़ब्ल	कि	तुम क़ादिर हो जाओ

ع 5 8 9

عَلَيْهِمْ ۚ	فَاعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ ﴿34﴾ ع	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
उन पर	तो जान लो	बेशक	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوا	اتَّقُوا	اللّٰهَ	وَابْتَغُوْٓا	اِلَيْهِ	الْوَسِيْلَةَ	وَجَاهِدُوْا	فِيْ سَبِيْلِهٖ
ईमान लाए हो	डरो	अल्लाह से	और तलाश करो	तरफ़ उसके	वसीला/ज़रिया	और जिहाद करो	उसके रास्ते में

لَعَلَّكُمْ	تُفْلِحُوْنَ ﴿35﴾	اِنَّ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	لَوْ	اَنَّ	لَهُمْ
ताकि तुम	तुम फ़लाह पा जाओ	बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	अगर	बेशक	उनके लिए हो

مَّا	فِي الْاَرْضِ	جَمِيْعًا	وَّمِثْلَهٗ	مَعَهٗ	لِيَفْتَدُوْا	بِهٖ
जो कुछ	ज़मीन में है	सारे का सारा	और मानिंद उसी के	साथ उसके	ताकि वो फ़िदया दें	साथ उसके

مِنْ عَذَابِ	يَوْمِ	الْقِيٰمَةِ	مَا	تُقُبِّلَ	مِنْهُمْ ۚ	وَلَهُمْ	عَذَابٌ
अज़ाब से(बचने के लिए)	दिन	क़यामत के	ना	वो क़ुबूल किया जाएगा	उनसे	और उनके लिए	अज़ाब है

اَلِيْمٌ ﴿36﴾	يُرِيْدُوْنَ	اَنْ	يَّخْرُجُوْا	مِنَ النَّارِ	وَمَا	هُمْ	بِخٰرِجِيْنَ
दर्दनाक	वो चाहेंगे	कि	वो निकल जाऐं	आग से	और नहीं	वो	निकलने वाले

مِنْهَا ۡ	وَلَهُمْ	عَذَابٌ	مُّقِيْمٌ ﴿37﴾	وَالسَّارِقُ	وَالسَّارِقَةُ	فَاقْطَعُوْٓا
उससे	और उनके लिए	अज़ाब है	क़ायम रहने वाला	और चोर मर्द	और चोर औरत	पस काट दो

اَيْدِيَهُمَا	جَزَآءً	بِمَا	كَسَبَا	نَكَالًا	مِّنَ اللّٰهِ ؕ	وَاللّٰهُ
हाथ उन दोनों के	बदला है	बवजह उसके जो	उन दोनों ने कमाया	इबरतनाक सज़ा है	अल्लाह की तरफ़ से	और अल्लाह

SALAHUDDIN INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاَصْلَحَ	ظُلْمِهٖ	مِنْۢ بَعْدِ	تَابَ	فَمَنْ	حَكِيْمٌ (38)	عَزِيْزٌ
और वो इस्लाह कर ले	अपने ज़ुल्म के	बाद	तौबा कर ले	तो जो कोई	ख़ूब हिक्मत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है

اَلَمْ	رَّحِيْمٌ (39)	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	عَلَيْهِ ؕ	يَتُوْبُ	اللّٰهَ	فَاِنَّ
क्या नहीं	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने	अल्लाह	बेशक	उस पर	वो मेहरबान होगा	अल्लाह	तो बेशक

يُعَذِّبُ	وَالْاَرْضِ ؕ	السَّمٰوٰتِ	مُلْكُ	لَهٗ	اللّٰهَ	اَنَّ	تَعْلَمْ
वो अज़ाब देता है	और ज़मीन की	आसमानों	बादशाहत	उसी के लिए है	अल्लाह	बेशक	आपने जाना

شَيْءٍ	كُلِّ	عَلٰى	وَاللّٰهُ	يَّشَآءُ ؕ	لِمَنْ	وَيَغْفِرُ	يَّشَآءُ	مَنْ
चीज़ के	हर	ऊपर	और अल्लाह	वो चाहता है	जिसे	और वो बख़्श देता है	वो चाहता है	जिसे

يُسَارِعُوْنَ	الَّذِيْنَ	لَا يَحْزُنْكَ	الرَّسُوْلُ	يٰۤاَيُّهَا	قَدِيْرٌ (40)
दौड़ धूप करते हैं	वो लोग जो	ना ग़मगीन करें आपको	रसूल	ऐ	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है

تُؤْمِنْ	وَلَمْ	بِاَفْوَاهِهِمْ	اٰمَنَّا	قَالُوْۤا	مِنَ الَّذِيْنَ	فِي الْكُفْرِ
ईमान लाए	हालांकि नहीं	अपने मुंहों से	ईमान लाए हम	कहते हैं	उन लोगों में से जो	कुफ़्र में

سَمّٰعُوْنَ	لِلْكَذِبِ	سَمّٰعُوْنَ	هَادُوْا ۛ	وَمِنَ الَّذِيْنَ	قُلُوْبُهُمْ ۛ
बहुत ज़्यादा सुनने वाले हैं	झूठ को	बहुत ज़्यादा सुनने वाले हैं	यहूदी बन गए	और उनमें से जो	दिल उनके

مِنْۢ بَعْدِ	الْكَلِمَ	يُحَرِّفُوْنَ	يَاْتُوْكَ ؕ	لَمْ	لِقَوْمٍ اٰخَرِيْنَ ۙ
बाद	अलफ़ाज़ को	वो बदल देते हैं	वो आए आपके पास	नहीं	दूसरी क़ौम के लिए

لَّمْ	وَاِنْ	فَخُذُوْهُ	هٰذَا	اُوْتِيْتُمْ	اِنْ	يَقُوْلُوْنَ	مَوَاضِعِهٖ ۚ
ना	और अगर	तो ले लो इसे	ये	दिए जाओ तुम	अगर	वो कहते हैं	उनकी जगहें (मुक़र्रर होने के)

تَمْلِكَ	فَلَنْ	فِتْنَتَهٗ	اللّٰهُ	يُّرِدِ	وَمَنْ	فَاحْذَرُوْا ؕ	تُؤْتَوْهُ
आप मालिक हो सकते	तो हरगिज़ नहीं	उसकी आज़माइश का	अल्लाह	इरादा कर ले	और वो जो	पस बचो	तुम दिए जाओ इसे

الوقف على الاول الجزء 12 ع 3

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَهٗ	مِنَ اللّٰهِ	شَيْـًٔا ط	اُولٰٓئِكَ	الَّذِيْنَ	لَمْ	يُرِدِ	اللّٰهُ	اَنْ
उसके लिए	अल्लाह से	किसी चीज़ के	यही लोग हैं	वो जो	नहीं	चाहा	अल्लाह ने	कि

يُّطَهِّرَ	قُلُوْبَهُمْ ط	لَهُمْ	فِى الدُّنْيَا	خِزْىٌ ج	وَّلَهُمْ	فِى الْاٰخِرَةِ
वो पाक करे	उनके दिलों को	उनके लिए	दुनिया में	रुस्वाई है	और उनके लिए	आख़िरत में

عَذَابٌ	عَظِيْمٌ (41)	سَمّٰعُوْنَ	لِلْكَذِبِ	اَكّٰلُوْنَ	لِلسُّحْتِ ط
अज़ाब है	बहुत बड़ा	बहुत ज़्यादा सुनने वाले हैं	झूठ को	बहुत ज़्यादा खाने वाले हैं	हराम को

فَاِنْ	جَآءُوْكَ	فَاحْكُمْ	بَيْنَهُمْ	اَوْ	اَعْرِضْ	عَنْهُمْ ج	وَاِنْ
फिर अगर	वो आएं आपके पास	तो फ़ैसला कीजिए	दर्मियान उनके	या	ऐराज़ कीजिए	उनसे	और अगर

تُعْرِضْ	عَنْهُمْ	فَلَنْ	يَّضُرُّوْكَ	شَيْـًٔا ط	وَاِنْ	حَكَمْتَ
आप ऐराज़ करेंगे	उनसे	तो हरगिज़ नहीं	वो नुक़्सान पहुंचा सकते आपको	कुछ भी	और अगर	फ़ैसला करें आप

فَاحْكُمْ	بَيْنَهُمْ	بِالْقِسْطِ ط	اِنَّ	اللّٰهَ	يُحِبُّ	الْمُقْسِطِيْنَ (42)
तो फ़ैसला कीजिए	दर्मियान उनके	साथ इंसाफ़ के	बेशक	अल्लाह	वो मोहब्बत रखता है	इंसाफ़ करने वालों से

وَكَيْفَ	يُحَكِّمُوْنَكَ	وَعِنْدَهُمُ	التَّوْرٰىةُ	فِيْهَا	حُكْمُ	اللّٰهِ	ثُمَّ
और किस तरह	वो मुंसिफ़ बनाते हैं आपको	हालांकि उनके पास	तौरात है	जिसमें	हुक्म है	अल्लाह का	फिर

ع 6 9 10

يَتَوَلَّوْنَ	مِنْ بَعْدِ	ذٰلِكَ ط	وَمَآ	اُولٰٓئِكَ	بِالْمُؤْمِنِيْنَ (43) ع	اِنَّآ
वो मुंह मोड़ जाते हैं	बाद	उसके	और नहीं	ये लोग	ईमान लाने वाले	बेशक हम

اَنْزَلْنَا	التَّوْرٰىةَ	فِيْهَا	هُدًى	وَّنُوْرٌ ج	يَحْكُمُ	بِهَا	النَّبِيُّوْنَ
नाज़िल की हमने	तौरात	उस में	हिदायत	और नूर था	फ़ैसला करते थे	साथ उसके	अम्बिया

الَّذِيْنَ	اَسْلَمُوْا	لِلَّذِيْنَ	هَادُوْا	وَالرَّبّٰنِيُّوْنَ	وَالْاَحْبَارُ	بِمَا
वो जो	इस्लाम लाए थे	उनके लिए जो	यहूदी बन गए थे	और रब्बानी/रब वाले भी	और उलमा/फ़ुक़्हा भी	बवजह इसके जो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اسْتُحْفِظُوْا	مِنْ كِتٰبِ اللّٰهِ	وَ كَانُوْا	عَلَيْهِ	شُهَدَآءَ ۚ	فَلَا	تَخْشَوُا
वो मुहाफ़िज़ बनाए गए थे	अल्लाह की किताब के	और थे वो	इस पर	गवाह	तो ना	तुम डरो

النَّاسَ	وَاخْشَوْنِ	وَلَا	تَشْتَرُوْا	بِاٰيٰتِيْ	ثَمَنًا	قَلِيْلًا ؕ	وَمَنْ
लोगों से	और डरो मुझसे	और ना	तुम लो	बदले मेरी आयात के	क़ीमत	थोड़ी	और जो

لَّمْ	يَحْكُمْ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْكٰفِرُوْنَ ﴿44﴾
ना	फ़ैसला करे	इस के मुताबिक़ जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	तो यही लोग हैं	वो	जो काफ़िर हैं

وَ كَتَبْنَا	عَلَيْهِمْ	فِيْهَآ	اَنَّ	النَّفْسَ	بِالنَّفْسِ ۙ	وَالْعَيْنَ
और लिख दिया हमने	उन पर	इसमें	बेशक	जान	बदले जान के	और आंख

بِالْعَيْنِ	وَالْاَنْفَ	بِالْاَنْفِ	وَالْاُذُنَ	بِالْاُذُنِ	وَالسِّنَّ	بِالسِّنِّ ۙ
बदले आंख के	और नाक	बदले नाक के	और कान	बदले कान के	और दांत	बदले दांत के

وَالْجُرُوْحَ	قِصَاصٌ ؕ	فَمَنْ	تَصَدَّقَ	بِهٖ	فَهُوَ	كَفَّارَةٌ	لَّهٗ ؕ
और तमाम ज़ख़्मों का भी	बदला है	तो जो कोई	सदक़ा(माफ़) कर दे	उसको	तो वो	कफ़्फ़ारा होगा	उसके लिए

وَمَنْ	لَّمْ	يَحْكُمْ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ
और जो कोई	ना	फ़ैसला करे	इसके मुताबिक़ जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	तो यही लोग हैं	वो

الظّٰلِمُوْنَ ﴿45﴾	وَقَفَّيْنَا	عَلٰٓى اٰثَارِهِمْ	بِعِيْسَى ابْنِ مَرْيَمَ	مُصَدِّقًا
जो ज़ालिम हैं	और पीछे भेजा हमने	उनके आसार पर	ईसा इबने मरियम को	तस्दीक़ करने वाला

لِّمَا	بَيْنَ يَدَيْهِ	مِنَ التَّوْرٰىةِ ۫	وَاٰتَيْنٰهُ	الْاِنْجِيْلَ	فِيْهِ
उसकी जो	पहले है उससे	तौरात में से	और दी हमने उसे	इंजील	उसमें थी

هُدًى	وَّنُوْرٌ ۙ	وَّمُصَدِّقًا	لِّمَا	بَيْنَ يَدَيْهِ	مِنَ التَّوْرٰىةِ
हिदायत	और नूर	और तस्दीक़ करने वाली	उसकी जो	पहले है उससे	तौरात में से

ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَهُدًى	وَّمَوْعِظَةً	لِّلْمُتَّقِيْنَ ﴿46﴾ ط	وَلْيَحْكُمْ	اَهْلُ الْاِنْجِيْلِ	بِمَآ
और हिदायत	और नसीहत	मुत्तक़ी लोगों के लिए	और चाहिए कि फ़ैसला करें	अहले इंजील	उसके मुताबिक़ जो

اَنْزَلَ	اللّٰهُ	فِيْهِ ط	وَمَنْ	لَّمْ	يَحْكُمْ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ
नाज़िल किया	अल्लाह ने	उस में	और जो	ना	फ़ैसला करे	उसके मुताबिक़ जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने

فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْفٰسِقُوْنَ ﴿47﴾	وَاَنْزَلْنَآ	اِلَيْكَ	الْكِتٰبَ	بِالْحَقِّ
तो यही लोग हैं	वो	जो फ़ासिक़ हैं	और नाज़िल की हमने	तरफ़ आपके	किताब	साथ हक़ के

مُصَدِّقًا	لِّمَا	بَيْنَ يَدَيْهِ	مِنَ الْكِتٰبِ	وَمُهَيْمِنًا	عَلَيْهِ
तस्दीक़ करने वाली	उसकी जो	पहले है इससे	किताबों में से	और निगहबान है	इस पर

فَاحْكُمْ	بَيْنَهُمْ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	وَلَا	تَتَّبِعْ	اَهْوَآءَهُمْ
पस फ़ैसला कीजिए	दर्मियान उनके	उसके मुताबिक़ जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	और ना	आप पैरवी कीजिए	उनकी ख़्वाहिशात की

عَمَّا	جَآءَكَ	مِنَ الْحَقِّ ط	لِكُلٍّ	جَعَلْنَا	مِنْكُمْ	شِرْعَةً
उससे (हट कर) जो	आ गया आपके पास	हक़ में से	हर एक के लिए	बनाया हमने	तुम में से	एक रास्ता

وَّمِنْهَاجًا ط	وَلَوْ	شَآءَ	اللّٰهُ	لَجَعَلَكُمْ	اُمَّةً	وَّاحِدَةً	وَّلٰكِنْ
और एक तरीक़ा	और अगर	चाहता	अल्लाह	अलबत्ता वो बना देता तुम्हें	उम्मत	एक ही	और लेकिन

لِّيَبْلُوَكُمْ	فِيْ مَآ	اٰتٰىكُمْ	فَاسْتَبِقُوا	الْخَيْرٰتِ ط	اِلَى اللّٰهِ
इसलिए कि वो आज़माए तुम्हें	उसमें जो	उसने दिया तुम्हें	पस सबक़त करो/आगे बढ़ो	नेकियों में	तरफ़ अल्लाह ही के

مَرْجِعُكُمْ	جَمِيْعًا	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ	فِيْهِ	تَخْتَلِفُوْنَ ﴿48﴾ لا	
लौटना है तुम्हारा	सबके सबका	फिर वो बता देगा तुम्हें	वो जो	थे तुम	जिसमें	तुम इख़्तिलाफ़ करते	

وَاَنِ	احْكُمْ	بَيْنَهُمْ	بِمَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	وَلَا	تَتَّبِعْ
और ये कि	फ़ैसला कीजिए	दर्मियान उनके	उसके मुताबिक़ जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	और ना	आप पैरवी कीजिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَنْزَلَ	مَآ	عَنْ بَعْضِ	يَّفْتِنُوْكَ	اَنْ	وَاحْذَرْهُمْ	اَهْوَآءَهُمْ
नाज़िल किया	जो	बाज़ (उस) से	वो फ़ितने में डालें आपको	कि	और मोहतात रहिए उनसे	उनकी ख़्वाहिशात की

اَنْ	اللّٰهُ	يُرِيْدُ	اَنَّمَا	فَاعْلَمْ	تَوَلَّوْا	فَاِنْ	اِلَيْكَ ط	اللّٰهُ
कि	अल्लाह	चाहता है	बेशक	तो जान लीजिए	वो मुंह मोड़ जाएं	फिर अगर	तरफ़ आपके	अल्लाह ने

مِّنَ النَّاسِ	كَثِيْرًا	وَاِنَّ	ذُنُوْبِهِمْ ط	بِبَعْضِ	يُّصِيْبَهُمْ
लोगों में से	बहुत से	और बेशक	उनके गुनाहों के	बवजह बाज़	वो पहुंचाए उन्हें (मुसीबत)

مِنَ اللّٰهِ	اَحْسَنُ	وَمَنْ	يَبْغُوْنَ ط	الْجَاهِلِيَّةِ	اَفَحُكْمَ	لَفٰسِقُوْنَ (49)
अल्लाह से	ज़्यादा अच्छा है	और कौन	वो चाहते हैं	जाहिलियत का	क्या फिर फ़ैसला	अलबत्ता फ़ासिक़ हैं

لَا تَتَّخِذُوا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	يُّوْقِنُوْنَ (50) ع	لِّقَوْمٍ	حُكْمًا
ना तुम बनाओ	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	जो यक़ीन रखते हैं	उन लोगों के लिए	फ़ैसला करने में

ع 7 7 11

وَمَنْ	بَعْضٍ ط	اَوْلِيَآءُ	بَعْضُهُمْ	اَوْلِيَآءَ م	وَالنَّصٰرٰٓى	الْيَهُوْدَ
और जो कोई	बाज़ के	दोस्त हैं	बाज़ उनके	दोस्त	और नसारा को	यहूद

وقف لازم
وقف منزل عند البعض
وقف غفران

الْقَوْمَ	لَا يَهْدِي	اللّٰهَ	اِنَّ	مِنْهُمْ ط	فَاِنَّهٗ	مِّنْكُمْ	يَّتَوَلَّهُمْ
उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता	अल्लाह	बेशक	उन्हीं में से है	पस बेशक वो	तुम में से	दोस्त बनाएगा उन्हें

يُّسَارِعُوْنَ	مَّرَضٌ	فِيْ قُلُوْبِهِمْ	الَّذِيْنَ	فَتَرَى	الظّٰلِمِيْنَ (51)
वो दौड़ धूप करते हैं	बीमारी है	दिलों में जिनके	उन्हें	फिर आप देखेंगे	जो ज़ालिम हैं

اللّٰهُ	فَعَسَى	دَآئِرَةٌ ط	تُصِيْبَنَا	اَنْ	نَخْشٰٓى	يَقُوْلُوْنَ	فِيْهِمْ
अल्लाह	तो उम्मीद है	कोई गर्दिश/मुसीबत	पहुंचेगी हमें	कि	हम डरते हैं	वो कहते हैं	उनमें

مَآ	عَلٰى	فَيُصْبِحُوْا	مِّنْ عِنْدِهٖ	اَمْرٍ	اَوْ	بِالْفَتْحِ	يَّاْتِيَ	اَنْ
जो	उस पर	फिर वो हो जाएं	अपनी तरफ़ से	कोई हुक्म	या	फ़तह	वो ले आए	कि

AL HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَسَرُّوْا	فِيْٓ اَنْفُسِهِمْ	نٰدِمِيْنَ ﴿52﴾ ط	وَيَقُوْلُ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْٓا	اَهٰٓؤُلَآءِ
उन्होंने छुपाया	अपने नफ़्सों में	नादिम	और कहते हैं	वो जो	ईमान लाए	क्या ये हैं

الَّذِيْنَ	اَقْسَمُوْا	بِاللّٰهِ	جَهْدَ	اَيْمَانِهِمْ لا	اِنَّهُمْ	لَمَعَكُمْ ط
वो जिन्होंने	क़समें खाई	अल्लाह की	पक्की	क़समें अपनी	कि बेशक वो	अलबत्ता साथ हैं तुम्हारे

حَبِطَتْ	اَعْمَالُهُمْ	فَاَصْبَحُوْا	خٰسِرِيْنَ ﴿53﴾	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا
ज़ाया हो गए	आमाल उनके	पस वो हो गए	ख़सारा पाने वाले	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो

مَنْ	يَّرْتَدَّ	مِنْكُمْ	عَنْ دِيْنِهٖ	فَسَوْفَ	يَاْتِى	اللّٰهُ	بِقَوْمٍ
जो कोई	फिर जाएगा	तुम में से	अपने दीन से	तो अनक़रीब	ले आएगा	अल्लाह	ऐसे लोग

يُّحِبُّهُمْ	وَيُحِبُّوْنَهٗٓ لا	اَذِلَّةٍ	عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ	اَعِزَّةٍ
वो मोहब्बत करेगा उनसे	और वो मोहब्बत करेंगे उससे	बहुत नर्म(होंगे)	मोमिनों पर	बहुत सख़्त

عَلَى الْكٰفِرِيْنَ ز	يُجَاهِدُوْنَ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَلَا	يَخَافُوْنَ	لَوْمَةَ
काफ़िरों पर	वो जिहाद करेंगे	अल्लाह के रास्ते में	और ना	वो डरेंगे	मलामत से

لَآئِمٍ ط	ذٰلِكَ	فَضْلُ	اللّٰهِ	يُؤْتِيْهِ	مَنْ	يَّشَآءُ ط	وَاللّٰهُ
मलामत करने वाले की	ये	फ़ज़्ल है	अल्लाह का	वो देता है उसे	जिसे	वो चाहता है	और अल्लाह

وَاسِعٌ	عَلِيْمٌ ﴿54﴾	اِنَّمَا	وَلِيُّكُمُ	اللّٰهُ	وَرَسُوْلُهٗ	وَالَّذِيْنَ
वुसअत वाला है	ख़ूब इल्म वाला है	बेशक	दोस्त तुम्हारा	अल्लाह है	और उसका रसूल	और वो जो

اٰمَنُوا	الَّذِيْنَ	يُقِيْمُوْنَ	الصَّلٰوةَ	وَيُؤْتُوْنَ	الزَّكٰوةَ	وَهُمْ
ईमान लाए	वो जो	क़ायम करते हैं	नमाज़	और वो देते हैं	ज़कात	और वो

رٰكِعُوْنَ ﴿55﴾	وَمَنْ	يَّتَوَلَّ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗ	وَالَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا
रुकूअ करने वाले हैं	और जो कोई	दोस्ती करेगा	अल्लाह से	और उसके रसूल से	और उनसे जो	ईमान लाए

الثلثة

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 8 6 12

فَاِنَّ	حِزْبَ	اللّٰهِ	هُمُ	الْغٰلِبُوْنَ ﴿56﴾ ع	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا
तो बेशक	गिरोह	अल्लाह का	वही	ग़ालिब आने वाले हैं	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो

لَا تَتَّخِذُوا	الَّذِيْنَ	اتَّخَذُوْا	دِيْنَكُمْ	هُزُوًا	وَّ لَعِبًا	مِّنَ الَّذِيْنَ
ना तुम बनाओ	उनको जिन्होंने	बना लिया	तुम्हारे दीन को	मज़ाक़	और खेल	उनमें से जो

اُوْتُوا	الْكِتٰبَ	مِنْ قَبْلِكُمْ	وَالْكُفَّارَ	اَوْلِيَآءَ ۚ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ
दिए गए	किताब	तुमसे पहले	और काफ़िरों को	दोस्त	और डरो	अल्लाह से

اِنْ	كُنْتُمْ	مُّؤْمِنِيْنَ ﴿57﴾	وَاِذَا	نَادَيْتُمْ	اِلَى الصَّلٰوةِ	اتَّخَذُوْهَا
अगर	हो तुम	ईमान लाने वाले	और जब	पुकारते हो तुम	तरफ़ नमाज़ के	वो बना लेते हैं उसे

هُزُوًا	وَّ لَعِبًا ؕ	ذٰلِكَ	بِاَنَّهُمْ	قَوْمٌ	لَّا يَعْقِلُوْنَ ﴿58﴾	قُلْ
मज़ाक़	और खेल	ये	बवजह इसके कि वो	ऐसे लोग हैं	जो अक़्ल नहीं रखते	कह दीजिए

يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	هَلْ	تَنْقِمُوْنَ	مِنَّآ	اِلَّآ	اَنْ	اٰمَنَّا	بِاللّٰهِ
ऐ अहले किताब	नहीं	तुम बैर रखते	हमसे	मगर	ये कि	ईमान लाए हम	अल्लाह पर

وَمَآ	اُنْزِلَ	اِلَيْنَا	وَمَآ	اُنْزِلَ	مِنْ قَبْلُ ۙ	وَاَنَّ	اَكْثَرَكُمْ
और जो कुछ	नाज़िल किया गया	तरफ़ हमारे	और जो कुछ	नाज़िल किया गया	इससे पहले	और बेशक	अक्सर तुम्हारे

فٰسِقُوْنَ ﴿59﴾	قُلْ	هَلْ	اُنَبِّئُكُمْ	بِشَرٍّ	مِّنْ ذٰلِكَ	مَثُوْبَةً
फ़ासिक़ हैं	कह दीजिए	क्या	मैं बताऊं तुम्हें	बदतर	उससे	बदले के ऐतबार से

عِنْدَ اللّٰهِ ؕ	مَنْ	لَّعَنَهُ	اللّٰهُ	وَغَضِبَ	عَلَيْهِ	وَجَعَلَ	مِنْهُمُ
अल्लाह के नज़दीक	वो जो	लानत की हो उस पर	अल्लाह ने	और वो ग़ज़बनाक हुआ	उस पर	और उसने बनाए	उनमें से

الْقِرَدَةَ	وَالْخَنَازِيْرَ	وَعَبَدَ	الطَّاغُوْتَ ؕ	اُولٰٓئِكَ	شَرٌّ	مَّكَانًا
बंदर	और ख़िंज़ीर	और जिसने बंदगी की	ताग़ूत की	यही लोग	बदतरीन हैं	दरजे में

ISLAMIC INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَّ اَضَلُّ	عَنْ سَوَآءِ السَّبِيْلِ (60)	وَ اِذَا	جَآءُوْكُمْ	قَالُوْٓا	اٰمَنَّا
और ज़्यादा भटके हुए	सीधे रास्ते से	और जब	वो आते हैं तुम्हारे पास	वो कहते हैं	ईमान लाए हम

وَقَدْ	دَّخَلُوْا	بِالْكُفْرِ	وَهُمْ	قَدْ	خَرَجُوْا	بِهٖ ؕ	وَاللّٰهُ
हालांकि तहक़ीक़	वो दाख़िल हुए थे	साथ कुफ़्र के	और वो	यक़ीनन	निकल गए	साथ उसी के	और अल्लाह

اَعْلَمُ	بِمَا	كَانُوْا	يَكْتُمُوْنَ (61)	وَتَرٰى	كَثِيْرًا	مِّنْهُمْ
ज़्यादा जानता है	उसको जो	थे वो	छुपाते	और आप देखेंगे	कसीर तादाद को	उनमें से

يُسَارِعُوْنَ	فِى الْاِثْمِ	وَالْعُدْوَانِ	وَ اَكْلِهِمُ	السُّحْتَ ؕ	لَبِئْسَ
वो दौड़ धूप करते हैं	गुनाह में	और ज़्यादती में	और अपने खाने में	हराम को	अलबत्ता कितना बुरा है

مَا	كَانُوْا	يَعْمَلُوْنَ (62)	لَوْلَا	يَنْهٰىهُمُ	الرَّبّٰنِيُّوْنَ	وَالْاَحْبَارُ
जो	थे वो	वो अमल करते	क्यों नहीं	रोकते उन्हें	रब्बानी/रब वाले	और उलमा

عَنْ قَوْلِهِمُ	الْاِثْمَ	وَ اَكْلِهِمُ	السُّحْتَ ؕ	لَبِئْسَ	مَا	كَانُوْا
उनके क़ौल से	गुनाह के	और उनके खाने से	हराम को	अलबत्ता कितना बुरा है	जो	थे वो

يَصْنَعُوْنَ (63)	وَقَالَتِ	الْيَهُوْدُ	يَدُ	اللّٰهِ	مَغْلُوْلَةٌ ؕ	غُلَّتْ	اَيْدِيْهِمْ
वो करते/बनाते	और कहा	यहूद ने	हाथ	अल्लाह का	बंधा हुआ है	बांध दिए गए	हाथ उनके

وَلُعِنُوْا	بِمَا	قَالُوْا ۘ	بَلْ	يَدٰهُ	مَبْسُوْطَتٰنِ ۙ	يُنْفِقُ
और वो लानत किए गए	बवजह उसके जो	उन्होंने कहा	बल्कि	उसके दोनों हाथ	दोनों खुले हुए हैं	वो ख़र्च करता है

وقف لازم

كَيْفَ	يَشَآءُ ؕ	وَلَيَزِيْدَنَّ	كَثِيْرًا	مِّنْهُمْ	مَّآ	اُنْزِلَ
जिस तरह	वो चाहता है	और अलबत्ता वो ज़रूर ज़्यादा कर देगा	कसीर तादाद को	उनमें से	जो कुछ	नाज़िल किया गया

اِلَيْكَ	مِنْ رَّبِّكَ	طُغْيَانًا	وَّكُفْرًا ؕ	وَاَلْقَيْنَا	بَيْنَهُمُ
तरफ़ आपके	आपके रब की तरफ़ से	सरकशी में	और कुफ़्र में	और डाल दी हमने	दर्मियान उनके

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْعَدَاوَةَ	وَالْبَغْضَآءَ	اِلٰى يَوْمِ الْقِيٰمَةِ ؕ	كُلَّمَآ	اَوْقَدُوْا	نَارًا
अदावत	और बुग़्ज़	क़यामत के दिन तक	जब कभी	उन्होंने भड़काई	आग

لِّلْحَرْبِ	اَطْفَاَهَا	اللّٰهُ ۙ	وَيَسْعَوْنَ	فِى الْاَرْضِ	فَسَادًا ؕ	وَاللّٰهُ
जंग के लिए	बुझा दिया उसे	अल्लाह ने	और वो दौड़ धूप करते हैं	ज़मीन में	फ़साद की	और अल्लाह

لَا يُحِبُّ	الْمُفْسِدِيْنَ ﴿64﴾	وَلَوْ	اَنَّ	اَهْلَ الْكِتٰبِ	اٰمَنُوْا	وَاتَّقَوْا
नहीं वो पसंद करता	फ़साद करने वालों को	और अगर	बेशक	अहले किताब	ईमान लाते	और तक़वा करते

لَكَفَّرْنَا	عَنْهُمْ	سَيِّاٰتِهِمْ	وَلَاَدْخَلْنٰهُمْ	جَنّٰتِ	النَّعِيْمِ ﴿65﴾
अलबत्ता दूर कर देते हम	उनसे	बुराइयां उनकी	और अलबत्ता हम् दाख़िल करते उन्हें	बाग़ों में	नेअमतों वाले

وَلَوْ	اَنَّهُمْ	اَقَامُوا	التَّوْرٰىةَ	وَالْاِنْجِيْلَ	وَمَآ	اُنْزِلَ	اِلَيْهِمْ
और अगर	बेशक वो	वो क़ायम करते	तौरात को	और इंजील को	और जो	नाज़िल किया गया	तरफ़ उनके

مِّنْ رَّبِّهِمْ	لَاَكَلُوْا	مِنْ فَوْقِهِمْ	وَمِنْ تَحْتِ	اَرْجُلِهِمْ ؕ	مِنْهُمْ
उनके रब की तरफ़ से	अलबत्ता वो खाते	अपने ऊपर से	और नीचे से	अपने पांवों के	उनमें से

اُمَّةٌ	مُّقْتَصِدَةٌ ؕ	وَكَثِيْرٌ	مِّنْهُمْ	سَآءَ	مَا	يَعْمَلُوْنَ ﴿66﴾ ع
एक गिरोह	मयाना रू है	और बहुत से	उनमें से	बहुत बुरा है	जो	वो अमल करते हैं

ع 9 10 13

يٰٓاَيُّهَا	الرَّسُوْلُ	بَلِّغْ	مَآ	اُنْزِلَ	اِلَيْكَ	مِنْ رَّبِّكَ ؕ	وَاِنْ
ऐ	रसूल	पहुंचा दीजिए	जो	नाज़िल किया गया	तरफ़ आपके	आपके रब की तरफ़ से	और अगर

لَّمْ	تَفْعَلْ	فَمَا	بَلَّغْتَ	رِسَالَتَهٗ ؕ	وَاللّٰهُ	يَعْصِمُكَ
ना	आपने किया (ऐसा)	तो नहीं	पहुंचाया आपने	पैग़ाम उसका	और अल्लाह	वो बचाएगा आपको

مِنَ النَّاسِ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	لَا يَهْدِى	الْقَوْمَ	الْكٰفِرِيْنَ ﴿67﴾	قُلْ
लोगों से	बेशक	अल्लाह	नहीं हिदायत देता	उस क़ौम को	जो काफ़िर है	कह दीजिए

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	لَسْتُمْ	عَلٰى شَيْءٍ	حَتّٰى	تُقِيْمُوا	التَّوْرٰىةَ
ऐ अहले किताब	नहीं हो तुम	किसी चीज़ पर	यहां तक कि	तुम क़ायम करो	तौरात को

وَالْاِنْجِيْلَ	وَمَآ	اُنْزِلَ	اِلَيْكُمْ	مِّنْ رَّبِّكُمْ ؕ	وَلَيَزِيْدَنَّ
और इंजील को	और जो	नाज़िल किया गया	तरफ़ तुम्हारे	तुम्हारे रब की तरफ़ से	और अलबत्ता वो ज़रूर ज़्यादा कर देगा

كَثِيْرًا	مِّنْهُمْ	مَّآ	اُنْزِلَ	اِلَيْكَ	مِنْ رَّبِّكَ	طُغْيَانًا
कसीर तादाद को	उनमें से	जो कुछ	नाज़िल किया गया	तरफ़ आपके	आपके रब की तरफ़ से	सरकशी में

وَّكُفْرًا ۚ	فَلَا	تَاْسَ	عَلَى الْقَوْمِ	الْكٰفِرِيْنَ ﴿68﴾	اِنَّ	الَّذِيْنَ
और कुफ़्र में	पस ना	आप अफ़सोस कीजिए	इस क़ौम पर	जो काफ़िर है	बेशक	वो जो

اٰمَنُوْا	وَالَّذِيْنَ	هَادُوْا	وَالصّٰبِـُٔوْنَ	وَالنَّصٰرٰى	مَنْ	اٰمَنَ
ईमान लाए	और जो	यहूदी बन गए	और जो साबी हैं	और जो नसारा हैं	जो कोई	ईमान लाया

بِاللّٰهِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ	وَعَمِلَ	صَالِحًا	فَلَا	خَوْفٌ	عَلَيْهِمْ
अल्लाह पर	और आख़िरी दिन पर	और उसने अमल किए	नेक	तो ना	कोई ख़ौफ़ होगा	उन पर

وَلَا	هُمْ	يَحْزَنُوْنَ ﴿69﴾	لَقَدْ	اَخَذْنَا	مِيْثَاقَ	بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ
और ना	वो	वो ग़मगीन होंगे	अलबत्ता तहक़ीक़	लिया हमने	पुख़्ता अहद	बनी इस्राईल से

وَاَرْسَلْنَآ	اِلَيْهِمْ	رُسُلًا ؕ	كُلَّمَا	جَآءَهُمْ	رَسُوْلٌۢ	بِمَا
और भेजे हमने	तरफ़ उनके	कई रसूल	जब कभी	आया उनके पास	कोई रसूल	साथ उसके जो

لَا تَهْوٰٓى	اَنْفُسُهُمْ ۙ	فَرِيْقًا	كَذَّبُوْا	وَفَرِيْقًا	يَّقْتُلُوْنَ ﴿70﴾ ق
नहीं चाहते थे	नफ़्स उनके	एक गिरोह को	उन्होंने झुठलाया	और एक गिरोह को	वो क़त्ल करते थे

وَحَسِبُوْٓا	اَلَّا	تَكُوْنَ	فِتْنَةٌ	فَعَمُوْا	وَصَمُّوْا	ثُمَّ	تَابَ
और उन्होंने समझा	कि ना	होगा	कोई फ़ितना	तो वो अंधे हो गए	और वो बहरे हो गए	फिर	मेहरबान हुआ

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اللّٰهُ	عَلَيْهِمْ	ثُمَّ	عَمُوْا	وَصَمُّوْا	كَثِيْرٌ	مِّنْهُمْ ؕ	وَاللّٰهُ
अल्लाह	उन पर	फिर	वो अंधे हो गए	और बहरे हो गए	अक्सर	उनमें से	और अल्लाह

بَصِيْرٌۢ	بِمَا	يَعْمَلُوْنَ ﴿71﴾	لَقَدْ	كَفَرَ	الَّذِيْنَ	قَالُوْٓا	اِنَّ
ख़ूब देखने वाला है	उसको जो	वो अमल करते हैं	अलबत्ता तहक़ीक़	कुफ़्र किया	उन लोगों ने	जिन्होंने कहा	बेशक

اللّٰهَ	هُوَ	الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ ؕ	وَقَالَ	الْمَسِيْحُ	يٰبَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ
अल्लाह	वो ही	मसीह इबने मरियम है	और कहा था	मसीह ने	ऐ बनी इस्राईल

اعْبُدُوا	اللّٰهَ	رَبِّيْ	وَرَبَّكُمْ ؕ	اِنَّهٗ	مَنْ	يُّشْرِكْ	بِاللّٰهِ
इबादत करो	अल्लाह की	जो रब है मेरा	और रब है तुम्हारा	बेशक वो	जो	शिर्क करे	साथ अल्लाह के

فَقَدْ	حَرَّمَ	اللّٰهُ	عَلَيْهِ	الْجَنَّةَ	وَمَاْوٰىهُ	النَّارُ ؕ	وَمَا
तो तहक़ीक़	हराम ठहरा दी	अल्लाह ने	उस पर	जन्नत	और ठिकाना उसका	आग है	और नहीं है

لِلظّٰلِمِيْنَ	مِنْ اَنْصَارٍ ﴿72﴾	لَقَدْ	كَفَرَ	الَّذِيْنَ	قَالُوْٓا	اِنَّ
ज़ालिमों के लिए	कोई मददगार	अलबत्ता तहक़ीक़	कुफ़्र किया	उन लोगों ने	जिन्होंने कहा	बेशक

اللّٰهَ	ثَالِثُ	ثَلٰثَةٍ ۘ	وَمَا	مِنْ اِلٰهٍ	اِلَّآ	اِلٰهٌ	وَّاحِدٌ ؕ
अल्लाह	तीसरा है	तीन का	और नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	इलाह	एक ही

وقف لازم

وَاِنْ	لَّمْ	يَنْتَهُوْا	عَمَّا	لَيَمَسَّنَّ	يَقُوْلُوْنَ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا
और अगर	ना	वो बाज़ आए	उससे जो	अलबत्ता ज़रूर पहुंचेगा	वो कहते हैं	उनको जिन्होंने	कुफ़्र किया

مِنْهُمْ	عَذَابٌ	اَلِيْمٌ ﴿73﴾	اَفَلَا	يَتُوْبُوْنَ	اِلَى اللّٰهِ	وَيَسْتَغْفِرُوْنَهٗ ؕ
उनमें से	अज़ाब	दर्दनाक	क्या भला नहीं	वो तौबा करेंगे	तरफ़ अल्लाह के	और वो बख़्शिश मांगेंगे उससे

وَاللّٰهُ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ ﴿74﴾	مَا	الْمَسِيْحُ ابْنُ مَرْيَمَ	اِلَّا
और अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	नहीं	मसीह इबने मरियम	मगर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

رَسُوْلٌ ۚ	قَدْ	خَلَتْ	مِنْ قَبْلِهِ	الرُّسُلُ ؕ	وَاُمُّهٗ	صِدِّيْقَةٌ ؕ
एक रसूल	तहक़ीक़	गुज़र चुके	इससे क़ब्ल	कई रसूल	और उसकी मां	बहुत सच्ची थी

كَانَا	يَاْكُلٰنِ	الطَّعَامَ ؕ	اُنْظُرْ	كَيْفَ	نُبَيِّنُ	لَهُمُ	الْاٰيٰتِ
थे वो	वो दोनों खाया करते	खाना	देखिए	किस तरह	हम वाज़ेह करते हैं	उनके लिए	आयात

ثُمَّ	انْظُرْ	اَنّٰى	يُؤْفَكُوْنَ ﴿75﴾	قُلْ	اَتَعْبُدُوْنَ	مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ
फिर	देखिए	कहां से	वो फेरे जाते हैं	कह दीजिए	क्या तुम इबादत करते हो	सिवाए	अल्लाह के

مَا	لَا يَمْلِكُ	لَكُمْ	ضَرًّا	وَّلَا	نَفْعًا ؕ	وَاللّٰهُ	هُوَ
उसकी जो	नहीं मिल्कियत रखता	तुम्हारे लिए	किसी नुक़्सान का	और ना	किसी नफ़ा का	और अल्लाह	वो ही है

السَّمِيْعُ	الْعَلِيْمُ ﴿76﴾	قُلْ	يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ	لَا تَغْلُوْا	فِيْ دِيْنِكُمْ	
ख़ूब सुनने वाला	ख़ूब जानने वाला	कह दीजिए	ऐ अहले किताब	ना तुम ग़ुलू करो	अपने दीन में	

غَيْرَ	الْحَقِّ	وَلَا	تَتَّبِعُوْۤا	اَهْوَآءَ	قَوْمٍ	قَدْ	ضَلُّوْا	مِنْ قَبْلُ
बग़ैर	हक़ के	और ना	तुम पैरवी करो	ख़्वाहिशात की	एक क़ौम की	तहक़ीक़	वो गुमराह हो गए	इससे पहले

ع 10 11 14

وَاَضَلُّوْا	كَثِيْرًا	وَّضَلُّوْا	عَنْ سَوَآءِ السَّبِيْلِ ﴿77﴾ ع	لُعِنَ	الَّذِيْنَ	
और उन्होंने गुमराह किया	कसीर तादाद को	और वो भटक गए	सीधे रास्ते से	लानत किए गए	वो जिन्होंने	

كَفَرُوْا	مِنْ بَنِيْۤ اِسْرَآءِيْلَ	عَلٰى لِسَانِ	دَاوٗدَ	وَعِيْسَى ابْنِ مَرْيَمَ ؕ	
कुफ़्र किया	बनी इस्राईल में से	ज़बान पर	दाऊद की	और ईसा इबने मरियम की	

ذٰلِكَ	بِمَا	عَصَوْا	وَّكَانُوْا	يَعْتَدُوْنَ ﴿78﴾	كَانُوْا
ये	बवजह इसके जो	उन्होंने नाफ़रमानी की	और थे वो	हद से बढ़ जाते	थे वो

لَا يَتَنَاهَوْنَ	عَنْ مُّنْكَرٍ	فَعَلُوْهُ ؕ	لَبِئْسَ	مَا	كَانُوْا	يَفْعَلُوْنَ ﴿79﴾
ना वो रोकते एक-दूसरे को	किसी बुराई से	वो करते थे जिसे	अलबत्ता कितना बुरा है	जो	थे वो	वो करते

ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَبِئْسَ	كَفَرُوْا ط	الَّذِيْنَ	يَتَوَلَّوْنَ	مِّنْهُمْ	كَثِيْرًا	تَرٰى
अलबत्ता कितना बुरा है	कुफ़्र किया	उनसे जिन्होंने	वो दोस्ती करते हैं	उनमें से	कसीर तादाद को	आप देखेंगे

عَلَيْهِمْ	اللّٰهُ	سَخِطَ	اَنْ	اَنْفُسُهُمْ	لَهُمْ	قَدَّمَتْ	مَا
उन पर	अल्लाह	नाराज़ हुआ	ये कि	उनके नफ़्सों ने	उनके लिए	आगे भेजा	जो

بِاللّٰهِ	يُؤْمِنُوْنَ	كَانُوْا	وَلَوْ	خٰلِدُوْنَ (80)	هُمْ	وَفِي الْعَذَابِ
अल्लाह पर	वो ईमान लाते	होते वो	और अगर	हमेशा रहने वाले हैं	वो	और अज़ाब में

اَوْلِيَآءَ	اتَّخَذُوْهُمْ	مَا	اِلَيْهِ	اُنْزِلَ	وَمَآ	وَالنَّبِيِّ
दोस्त	वो बनाते उन्हें	ना	तरफ़ उनके	नाज़िल किया गया	और जो कुछ	और नबी पर

اَشَدَّ	لَتَجِدَنَّ	فٰسِقُوْنَ (81)	مِّنْهُمْ	كَثِيْرًا	وَلٰكِنَّ
सबसे ज़्यादा सख़्त	अलबत्ता आप ज़रूर पाऐंगे	नाफ़रमान हैं	उनमें से	बहुत से	और लेकिन

وَالَّذِيْنَ	الْيَهُوْدَ	اٰمَنُوا	لِّلَّذِيْنَ	عَدَاوَةً	النَّاسِ
और उनको जिन्होंने	यहूद को	ईमान लाए	उन लोगों के लिए जो	अदावत/दुश्मनी में	लोगों में से

اٰمَنُوا	لِّلَّذِيْنَ	مَّوَدَّةً	اَقْرَبَهُمْ	وَلَتَجِدَنَّ	اَشْرَكُوْا ج
ईमान लाए	उनके लिए जो	मोहब्बत में	सबसे क़रीब उनमें	और अलबत्ता आप ज़रूर पाऐंगे	शिर्क किया

مِنْهُمْ	بِاَنَّ	ذٰلِكَ	نَصٰرٰى ط	اِنَّا	قَالُوْٓا	الَّذِيْنَ
उनमें	बवजह इसके कि	ये	नसारा हैं	बेशक हम	कहा	उनको जिन्होंने

لَا يَسْتَكْبِرُوْنَ (82)	وَّاَنَّهُمْ	وَرُهْبَانًا	قِسِّيْسِيْنَ
नहीं तकब्बुर करते	और बेशक वो	और राहिब हैं	उलमा हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION